लखनऊ

शुक्रवार 20 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 333

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते हैं। - मार्टिन लुथर किंग, जूनियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

प्रेम संबंध से नाराज मां-बाप ने बेटी को गला दबाकर मार डाला, शव जलाया

बागपत। जिले के बड़ौत क्षेत्र के लुहारी गांव में प्रेम प्रसंग के चलते मां-बाप ने बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके शव को जला दिया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब बेटी के प्रेमी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव के अवशेष बरामद किए हैं। जबकि प्रेमी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी मां-बाप को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रेमी ने युवती के रिश्तेदारों पर भी हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। लुहारी गांव निवासी शिवानी (22) का पड़ोस के ही रहने वाले अंकित से पिछले 5 साल से प्रेम संबंध था। दोनों अलग-अलग जाति के हैं। एक-दूसरे से शादी भी करना चाहते । बताया जा रहा है कि दोनों ने अपने-अपने घर में प्रेम संबंध का इजहार करते हुए शादी की इच्छा जताई थी। लेकिन शिवानी के घरवाले इसके लिए तैयार नहीं थे। नाराज घरवालों ने शिवानी पर रोक-टोक भी लगाई, लेकिन अंकित से उसका रिश्ता जारी रहा। आरोप है कि इसी के चलते शिवानी के परिजनों ने मंगलवार देर रात उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव जला दिया। शिवानी से बात होने पर अंकित को आशंका हुई। इसके बाद उसकी मौत की जानकारी हुई। अंकित ने पुलिस को इसकी सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने शिवानी के शव के अवशेष बरामद किए। अंकित की ही तहरीर पर शिवानी के पिता संजू और मां बबीता के खिलाफ केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राहुल गांधी ने जन्मदिन पर दिखाई सादगी... केक काटने से किया इनकार, कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 19 जून को अपना 55वां जन्मदिन बेहद सादगी के साथ मनाया। देश में हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले, अहमदाबाद विमान हादसे और उनकी मां सोनिया गांधी के अस्पताल में भर्ती होने के कारण उन्होंने किसी भी तरह के जश्न से दूरी बनाए रखी। राहुल ने अपने आवास 24 अकबर रोड पर कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात की लेकिन केक काटने से साफ इंकार कर दिया। कांग्रेस पार्टी ने भी इस मौके पर सादगी बरतने का फैसला किया। पार्टी मुख्यालय में ढोल-नगाड़ों को अंदर आने की अनुमति नहीं दी गई। पार्टी का कहना था कि दूर-दूर से आए कार्यकर्ता और नेता राहुल गांधी से मिलना चाहते थे। इसलिए सिर्फ मुलाकात का कार्यक्रम रखा गया है। इस दौरान राहुल ने सभी का आभार जताया और देश की मौजूदा स्थिति पर चिंता जाहिर की। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने राहुल गांधी की संवेदनशीलता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि 'राहुल जी बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने सिर्फ लोगों से मुलाकात की और केक काटने से मना कर दिया। दूसरी ओर हमारे पीएम मोदी है जो दुख की इस घड़ी में भी फ्रांस के राष्ट्रपति से मिलकर हंसते हुए तस्वीरें शेयर कर रहे हैं और ट्विटर पर लगातार एक्टिव हैं।' सुप्रिया श्रीनेत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया दावों पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'आतंकी असीम मुनीर को पीएम मोदी के दोस्त मुर्ग मुसल्लम खिला रहे हैं।

भारत में जो इंग्लिश बोलते हैं, उन्हें जल्द ही शर्म महसूस होगी: गृहमंत्री

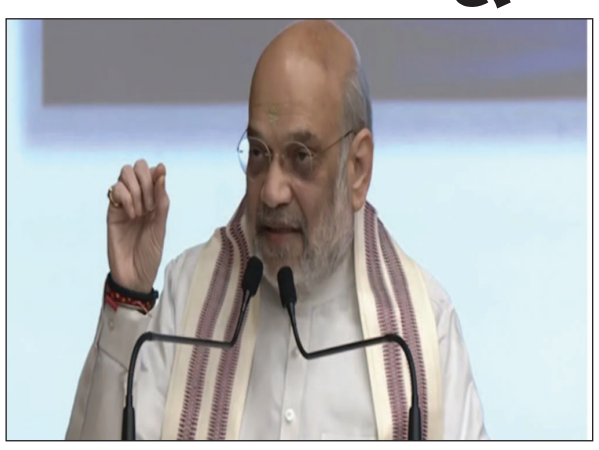

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत में ऐसा समय जल्द आएगा जब यहां अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी।

शाह ने यह बात दिल्ली में पूर्व सिविल सेवक आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की किताब मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं किताब के विमोचन पर कहा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी से अलग समाज का निर्माण दूर नहीं है, लेकिन लड़ाई बहुत कठिन है।

शाह ने कहा, हिंदी को लेकर कोई संकट नहीं है। हम सब के जीवन में इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं। चीजों को वो कर पाते हैं, जो ठान लेते हैं। मैं मानता हूं कि हमारे देश की भाषाएं, हमारी संस्कृति का गहना है। हमारी भाषाओं के बगैर हम भारतीय ही नहीं रहते हैं। हमारा देश, इसका इतिहास, इसकी संस्कृति, हमारा धर्म, इसको विदेशी भाषा में नहीं समझा सकता।

शाह ने आगे कहा, आधी-अधूरी विदेशी भाषाओं से संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं हो सकती। वो केवल, भारतीयता और भारतीय भाषा से हो सकती है। मुझे पूरा बोध है कि लड़ाई कितनी कठिन है, लेकिन विश्वास है कि लड़ाई भारत का समाज जीतेगा और फिर से आत्म गौरव के साथ हमारी भाषाओं में हम अपना देश चलाएंगे, सोच और शोध भी करेंगे, नतीजे भी करेंगे और विश्व का नेतृत्व भी करेंगे। इसमें कोई संशय नहीं।

शाह ने भाषाओं के महत्व को लेकर यह बात ऐसे समय पर की है, जब दक्षिण भारत समेत महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध हो रहा है और स्थानीय भाषा के साथ अंग्रेजी को दूसरी भाषा बनाने पर जोर है। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तो शिक्षा मंत्रालय पर हिंदी भाषा थोपने का आरोप लगाया है और शिक्षा निधि रोकने का आरोप लगाया था। महाराष्ट्र में भी हिंदी को अनिवार्य भाषा बनाए जाने पर सरकार निशाने पर आ गई है।

शशि थरूर ने कांग्रेस के साथ मतभेदों को स्वीकार किया, कहा– 'समय आने पर आंतरिक रूप से उठाएंगे कदम'

नई दिल्ली, एजेंसी। नीलांबुर उपचुनाव के दिन सांसद शशि थरूर ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मीडिया से कहा कि पार्टी ने उन्हें नीलांबुर में प्रचार के लिए नहीं बुलाया। थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर उन्हें बुलाया जाता तो वे जाते। थरूर ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद हैं और इस मामले पर पार्टी में चर्चा की जाएगी।

चर्चा का विषय यह रहा कि यूडीएफ उम्मीदवार आर्यदान शौकम के लिए प्रचार करने नीलांबुर आने के बावजूद सभी वरिष्ठ नेताओं और अधिकांश कांग्रेस सांसदों ने थरूर से मुलाकात नहीं की। ऐसी खबरें थीं कि राष्ट्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व थरूर के नए कदमों से नाखुश हैं।

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों को उजागर करने के लिए अमेरिका में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थरूर को ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करने वाली उनकी टिप्पणियों के लिए कुछ कांग्रेस नेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क में, थरूर ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय से कहा कि भारत की सीमा पार सैन्य प्रतिक्रिया एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव को दर्शाती है। उन्होंने कहा, '2016 के उरी हमले के बाद पहली बार भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला करने के लिए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार की। यहां तक कि कारगिल युद्ध के दौरान भी हमने एलओसी पार नहीं की।'

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे युवक को थाने के बाहर कई गोलियां मारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस की नाक के नीचे अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। घटना मुरादनगर थाने के बाहर बुधवार आधी रात को हुई है। मृतक की पहचान मिल्क रावली निवासी युवक रवि शर्मा (38) के रूप में हुई है। घटना के समय रवि थाने में एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे थे, तभी आरोपियों ने उसे थाने के बाहर गोलियां मार दी। आरोपियों को पकड़ने की कोशिश जारी है।

रवि की बुधवार रात आरोपी अजय और मोंटी से कार निकालने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद आरोपियों ने रवि के घर पहुंचकर मारपीट की और गेट पर गोलीबारी की। रवि ने तुरंत 112 को सूचना दी। इसके बाद पुलिस की सलाह पर वे अपने भाई के साथ रात को मुरादनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे।

तभी अजय और मोंटी भी वहां पहुंच गए और रवि पर ताबड़तोड़ 4 राउंड गोलीबारी की। रवि वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़े। गोलीबारी कर अजय और मोंटी मौके से फरार हो गए। रवि को मोदीनगर के निवाक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनको मृत घोषित किया गया। इससे नाराज परिजनों में रवि के शव को मुरादनगर थाने के बाहर रखकर प्रदर्शन किया और आरोपियों के एनकाउंटर की मांग की। उन्होंने आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाने की भी मांग की है।

दिल्ली-लेह जा रही इंडिगो और हैदराबाद-तिरुपति जा रही स्पाइसजेट के विमान में तकनीकी खराबी, वापस लौटे

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया के बाद इंडिगो और स्पाइसजेट के विमानों में भी तकनीकी खराबी की बात सामने आई है, जिसके कारण उड़ानों को गंतव्य स्थल पहुंचने से पहले वापस लौटाया गया।

दिल्ली से लेह जाने वाली इंडिगो की 6ई2006 उड़ान को लेह पहुंचने से कुछ समय पहले तकनीकी खराबी का पता चला। इसके बाद विमान को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। विमान में 180 यात्री सवार थे, जो सुरक्षित हैं। हैदराबाद से तिरुपति जाने के लिए स्पाइसजेट एसजी2696 विमान को गुरुवार सुबह 6:10 पर उड़ान भरनी थी, लेकिन वह 6:19 बजे रवाना हो सकी।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा मामले में एक और खुलासा, कई गवाहों ने देखा था नोटों को जखीरा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा द्वारा इस्तीफा देने से इंकार करने और समिति की जांच को अन्यायपूर्ण बताने के बाद एक और जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित जांच समिति ने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास में कई गवाहों ने नोटों का जखीरा देखा था, लेकिन उन्होंने कभी शिकायत नहीं की। समिति ने बताया कि गवाहों ने न्यायिक अधिकारियों को भी सूचित नहीं किया था। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि न्यायमूर्ति वर्मा पर लगे आरोप स्पष्ट हैं और उनको पद से हटाने के लिए वाजिब हैं।

समिति को वर्मा के घर से कुछ जले हुए नोट मिले थे। समिति ने

प्रत्यक्षदर्शी विवरण, दृश्य साक्ष्य, घटना की रिपोर्ट न करने सहित उनके 'अप्राकृतिक' आचरण को चिह्नित किया। समिति ने वर्मा की बेटी सहित 55 गवाहों से पूछताछ की और पुलिस कर्मियों की पुष्टि करने वाली गवाही के साथ-साथ वीडियो प्राप्त की थी। समिति का कहना है कि कुछ गवाहों ने यह तक कहा कि वर्मा के घर में इतनी मात्रा में नकदी देखकर वह भी हैरान रह गया और उसने अपने जीवन में इतना पैसा पहली बार देखा था। समिति ने बताया कि न्यायमूर्ति वर्मा ने उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया है और उनकी जानकारी न होने का दावा अविश्वसनीय है, क्योंकि अगर कोई साजिश थी, तो उन्होंने हाई कोर्ट, सीजेआई या पुलिस में शिकायत क्यों नहीं दर्ज की थी।

समिति ने बताया कि न्यायाधीश के निजी सचिव राजिंदर सिंह कार्की ने अग्निशमन अधिकारियों को कहा था कि वे नकदी मिलने की बात का रिपोर्ट में जिक्र न करें। समिति का कहना है कि नकदी को कई लोगों ने देखा है, इसलिए यह मानना अविश्वसनीय है कि उनको फंसाने के लिए ऐसा किया गया है।

जांच में कार्की और उनकी बेटी दीया वर्मा की 'साक्ष्यों को नष्ट करने या घटनास्थल को साफ करने' में संभावित भूमिका भी दिखी है। न्यायमूर्ति वर्मा ने जांच समिति द्वारा दोषी ठहराए जाने केबाद 6 मई को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना को पत्र लिखकर इस्तीफा देने, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने से इंकार कर दिया था।

एयर इंडिया का ब्लैक बॉक्स क्षतिग्रस्त, डाटा निकालने अमेरिका भेजा जाएगा

अहमदाबाद। अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त एयर इंडिया के विमान से बरामद ब्लैक बॉक्स काफी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है, जिससे जानकारी मिलने में समस्या आ रही है।

बताया जा रहा है कि ब्लैक बॉक्स के उन्नत फोरेंसिक विश्लेषण और डाटा निकालने के लिए उसे संभवतः अमेरिका या फ्रांस भेजा जा सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि सरकार एक या दो दिन में इस मामले में अंतिम निर्णय लेगी कि ब्लैक बॉक्स भेजा जाए या नहीं। दुर्घटना के बाद विमान से कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) बरामद किया गया था, जो काफी जले हुए थे।

भारत इसमें से जरूरी डाटा निकालने का प्रयास कर रही है,

लेकिन थर्मल और अन्य नुकसान को आवश्यक विशेषज्ञता से ठीक किया जा सकता है, जो अमेरिका या फ्रांस में संभव है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) अभी अमेरिकी नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएससी) और बोइंग के साथ काम कर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका में दुनिया की सबसे उन्नत ब्लैक बॉक्स प्रयोगशालाएं हैं, जो खराब से खराब डाटा को फिर से बनाने रिकवर करने में सक्षम हैं। इसलिए इसे अमेरिका ही भेजा जाना संभावित है, लेकिन उससे पहले भारत में कोशिश चल रही है। बता दें कि जब तक ब्लैक बॉक्स से आवश्यक डाटा बरामद नहीं हो जाता, तब तक जांच की प्रक्रिया धीमी हो सकती है।

सोनिया गांधी की तबीयत में हो रहा सुधार, डॉक्टरों ने शुरू किया स्पेशल डायट प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की हालत अब स्थिर है। डॉक्टरों की देखरेख में उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उनकी निरंतर देखभाल के हिस्से के रूप में गुरुवार से स्पेशल डाइट प्लान शुरू किया गया है। साथ ही उनके स्वास्थ्य पsर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। हालांकि उनकी छुट्टी की तारीख अभी तय नहीं की गई है। उनके ठीक होने की प्रगति के आधार पर इसे तय किया जाएगा। डॉ। अजय स्वरूप ने बताया कि डॉ। एस। नंदी और डॉ। अमिताभ यादव सहित अन्य डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। इससे पहले रविवार रात को अचानक तबीयत बिगड़ने पर सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट से कमल हासन को राहत, कर्नाटक में फिल्म ठग लाइफ रिलीज की मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिल सिनेमा के जाने-माने अभिनेता कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ पिछले काफी समय से चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन कन्नड़-तमिल टिप्पणी विवाद की वजह से इसे कर्नाटक में रिलीज नहीं किया गया।

अब हासन को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। दरअसल, ठग लाइफ के कर्नाटक में रिलीज होने का रास्ता साफ हो गया है। 19 जून को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कर्नाटक सरकार से कहा कि अगर फिल्म को लेकर कोई हिंसा होती है तो वह आपराधिक कानूनों के तहत उचित कार्रवाई करें।

अदालत ने कहा, यह सुनिश्चित करना राज्य का काम है कि हिंसा

करने वालों पर कार्रवाई करे। हम ऐसा नहीं होने दे सकते। सिर्फ एक बयान की वजह फिल्म की रिलीज पर रोक लगाना गलत है।

कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया है कि वह अपने नागरिकों को सुरक्षा देंगे।

गौरतलब है कि कमल ने ठग लाइफ के एक कार्यक्रम में कहा था कि कन्नड़ भाषा, तमिल से जन्मी है, जिसके बाद कन्नड़ समर्थक संगठनों ने खूब विरोध जताया।

बाद में, कर्नाटक फिल्म चेंबर ऑफ कॉमर्स ने राज्य में फिल्म की रिलीज पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, हासन ने कहना है कि उनके बयान को गलत समझा गया है। ठग लाइफ की बात करें तो इस फिल्म के निर्देशन की कमान मणिरत्नम ने संभाली है।

चीन को गलवान मामले पर क्लीन चिट देने की पांचवी वर्षगांठ, कांग्रेस का पीएम मोदी पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि भारत-चीन संबंधों में हालिया वापसी समझौता देश के लिए गंभीर क्षेत्रीय झटका साबित हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चीन के सामने सरकार ने रणनीतिक और आर्थिक मोर्चों पर आत्मसमर्पण कर दिया है।

जयराम रमेश ने 15 जून 2020 को गलवान घाटी में शहीद हुए 20 भारतीय सैनिकों को याद करते हुए कहा कि इसके चार दिन बाद ही प्रधानमंत्री मोदी ने बयान दिया था कि न कोई हमारी सीमा में घुसा है, न ही कोई घुसा हुआ है, जो न केवल तथ्यों के विपरीत था, बल्कि चीन को अंतरराष्ट्रीय मंच पर राहत देने वाला

बयान था।

उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर 2024 को हुए समझौते में भारत की सहमति के बिना देपसांग, डेमचोक और चुमार क्षेत्रों में गश्त तक रोक दी गई है। अब भारतीय सेना को इन क्षेत्रों में जाने के लिए चीनी सहमति लेनी पड़ती है, जो रक्षा दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है।

रमेश ने आरोप लगाया कि भारत का चीन पर आयात निर्भरता लगातार बढ़ रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, टेलीकॉम और सौर उपकरण जैसे क्षेत्रों में भारत गंभीर रूप से चीन पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024–25 में चीन के साथ व्यापार घाटा 99।2 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है, जो एक रिकॉर्ड स्तर है, जबकि चीन को भारत का निर्यात 2013-14 की तुलना में भी कम है।

उन्होंने खुलासा किया कि हाल ही में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान के सैन्य अभियानों में तकनीकी समर्थन दिया। सिर्फ हथियार ही नहीं, बल्कि एआई, मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस और स्टील्थ तकनीक में भी सहयोग दिया गया है। पाकिस्तान को भविष्य में चीन से 40 जे-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान मिलने की संभावना है, जिससे भारत को दोतरफा मोर्चे की चुनौती झेलनी पड़ सकती है।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी पिछले पांच वर्षों से चीन पर विस्तृत संसदीय बहस की माँग कर रही है, लेकिन सरकार इस पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा, हमें चीन से उत्पन्न हो रही राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों पर एकजुट होकर राष्ट्रीय सहमति बनानी चाहिए।

डिनो मोरिया फिर हुए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया जहां एक ओर फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं पिछले कुछ दिनों से वह मीठी नदी घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं। 65 करोड़ रुपये के इस घोटाले मामले में बुरे फंसे डिनो 19 जून को एक बार फिर ईडी के कार्यालय पहुंचे, जहां उनके बयान दर्ज हो रहे हैं। इस दौरान डिनो के भाई सैंटिनो मोरिया भी उनके साथ मौजूद थे। सोशल मीडिया पर डिनो का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें मुंबई में ईडी के दफ्तर में प्रवेश करते हुए देखा जा रहा है। हालांकि, उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की। इससे पहले डिनो 12 जून के ईडी के कार्यालय पहुंचे थे। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) भी डिनो से पूछताछ कर चुकी है।

दिल्ली में ऑर्टिफिशियल रेन के पायलट प्रोजेक्ट को मौसम विभाग से मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बिगड़ने पर फौरी राहत के लिए आर्टिफिशियल रेन (कृत्रिम बारिश) कराने के विकल्प को आजमाने के लिए दिल्ली सरकार की योजना को मौसम विभाग से मंजूरी मिल गई है। अब दिल्ली सरकार का पहला कृत्रिम वर्षा (आर्टिफिशियल रेन) पायलट प्रोजेक्ट पूरी तरह तैयार है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सभी तैयारियां और जरूरी मंजूरियां पूरी हो चुकी हैं। अब बस मौसम की अनुकूलता खासकर उपयुक्त बादलों की उपलब्धता का इंतजार है। जैसे ही सही बादल नजर आएंगे, अभियान शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने परियोजना को मौसम संबंधी मंजूरी दे दी है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में क्लाउड सीडिंग की संभावना की पुष्टि की है। यह पायलट प्रोजेक्ट प्रदूषण नियंत्रण के लिए क्लाउड सीडिंग की तकनीकी क्षमता का परीक्षण एवं मूल्यांकन आईआईटी कानपुर के सहयोग से लागू किया जाएगा, जो वैज्ञानिक और तकनीकी संचालन का नेतृत्व करेगा। उन्होंने आगे कहा, तैयारी पूरी है, बस अब बादलों का इंतजार है। जैसे ही मौसम अनुकूल होगा, दिल्ली अपने पहले आर्टिफिशियल रेन प्रोजेक्ट की गवाह बनेगी। यह सिर्फ एक प्रयोग नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक रोडमैप है। विज्ञान पर आधारित, सटीकता से संचालित और डेटा ड्रिवेन मॉनिटरिंग के साथ।

मकान की नींव की मिट्टी हटने से दहशत में लोग, गोड़धोइया नाले की खुदाई ने बढ़ाई लोगों को मुसीबत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। काफर डैम तोड़कर गोड़धोइया नाला में पानी खोले जाने के बाद शक्तिनगर और राजनगर कालोनी के लोग मकान की नींव दिखने से दहशत में हैं। मंगलवार की रात किसी तरह लोगों ने अपने मकानों में रात बिताई। सुबह किसी तरह से बाहर निकले। हालांकि जल निगम की टीम मिट्टी डालकर मकानों को सुरक्षित करने में जुटी रही।

दरअसल मंगलवार को गोड़धोइया नाले में बनाए गए काफर डैम को तोड़ने के बाद शक्तिनगर व राजनगर इलाके के कई मकानों में पानी घुस गया था। इसका लोगों ने काफी विरोध किया था। लोगों का आरोप था कि इससे मकान की दीवार

में दरार पड़ने के साथ फर्श टूटकर गिरने लगी।

लोगों ने ठेकेदार व जल निगम के अधिकारियों के खिलाफ हंगामा कर प्रर्दशन किया था। बुधवार को जल निगम के अधिकारी व ठेकेदारों ने जेसीबी मशीन लगाकर नाले की सफाई कराई जिससे पानी का बहाव तेजी से हुआ तो लोगों ने चैन की सांस ली। इसके अलावा जल निगम ने जेसीबी लगाकर मकानों के किनारे मिट्टी भरा। हालांकि मोहल्ले वासियों का कहना था कि मिट्टी भरने में लापरवाही की जा रही है। शक्तिनगर की निर्मला शर्मा ने कहा कि नाले की खुदाई के दौरान मिट्टी निकाली, लेकिन बाद में इसे ठीक ठीक ढंग से नहीं भरा गया। इस वजह से मकान क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। पानी घर में घुस जा रहा है। शक्तिनगर मोहल्ले की

अधिकांश लोगों को अनुग्रह राशि दी जा चुकी है। उनके द्वारा दिए गए शपथ पत्र के अनुसार उन्हें घर भी खाली करना है। लेकिन कुछ लोगों के द्वारा घर खाली नहीं किया जा रहा है। हालांकि इसके बावजूद काफर डैम तोड़े जाने के बाद हुए जलभराव को तत्काल दूर करने की कवायद शुरू कर दी गई। दोपहर तक सभी काफर डैम को तोड़कर जलभराव को दूर कर दिया गया। अब पानी सुचारू रूप से निकल रहा है।
-पंकज कुमार, अधिशासी अभियंता, जल निगम

सुधा सिंह ने कहा कि पानी अचानक छोड़ने से घर में तथा सड़क पर पानी लग गया था जिसकी वजह से बच्चे स्कूल नहीं जा सके। शक्तिनगर के राजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि गोड़धोइया नाले का पानी खोलने से मकान के अंदर पानी घुटने से ऊपर आ गया। रात भर मकान में कैद रहे सुबह किसी तरह बाहर निकल सके। शक्तिनगर के अरुण सोलमन ने कहा कि मकान की दीवार जगह-जगह फट गई है।जल निगम के अधिकारी से शिकायत करने पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

तोड़े गए गोड़धोइया नाले के सभी काफर डैम उतरा जलस्तर

मानसून के पहले जल निगम ने गोड़धोइया नाले का निर्माण बंद कर दिया है। इसके साथ ही निर्माण के दौरान कालोनियों से आने वाले नालों के पानी को रोकने के लिए काफर डैम बनाए थे। पिछले कुछ दिनों से इन डैम को तोड़ने का काम किया जा रहा था। बुधवार को सभी काफर डैम को तोड़ने का काम पूरा कर लिया गया। साथ ही गोड़धोइया नाला परियोजना के तहत रामगढ़ ताल में लगाए गए सभी स्लुइस गेट खोल दिए।

रामगढ़ ताल का पानी देवरिया बाईपास रोड पाम पैराडाइज के साथ बने नाले से मलौनी बांध पर बनाए गए तरकुलानी रेगुलेटर की ओर चला गया। गोड़धोइया नाला निर्माण के दौरान जहां जहां 47 काफर डैम बनाए गए थे, उन सब के तोड़े जाने बाद भी 40 की संख्या में पोकलेन और जलनिगम के स्टाफ तैनात हैं। ताकि पानी का प्रवाह न रुके और तत्काल नाले की सफाई हो जाए

लोगों ने डीएम और मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर की शिकायत

राजनगर निवासी रंजित सिंह के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय और मुख्यमंत्री को आईजीआरएस के जरिए शिकायत की। आरोप लगाया कि नाले की जद में आ रहे जमीन की रजिस्ट्री बैनाम संबंधित विभाग को कर दिया। खोदाई शुरू हुई तो किसी का बचा हुआ मकान क्षतिग्रस्त होने की आशंका के मद्देनजर संबंधित विभाग ने अनुग्रह राशि भी दी।

सभी से शपथ पत्र भी लिया कि नाले के निर्माण हो जाने के बाद मकान व भूमि भूस्वामी का ही होगा। नाले की खोदाई से नाले और मकान के बीच में जो खाली जमीन थी उसको लेवल तक भरने का काम संबंधित विभाग ने नहीं किया। बुधवार को खजांची बाईपास से काफर डैम तोड़ा गया तो जिससे नाले का पानी तीन फीट ऊपर आ गया। इससे उनका और दूसरों का मकान कभी भी गिर सकता है। कई जीवन तबाह हो सकते हैं। मांग की कि जिम्मेदार जल निगम कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज कराया जाए।

फर्जी अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी छापेमारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र में बिना पंजीकरण और विना दस्तावेज के चल रहे फर्जी हॉस्पिटल और क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छापेमारी की है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय के चिकित्सा प्रभारी डॉ.अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में पारा समेत कई स्थानों पर छापेमारी की गई है जांच टीम को अस्पताल व क्लीं निको पर भारी अनियमितताएं मिली है।

छापेमारी के दौरान कई हॉस्पिटल से कोई वैध कागजात नहीं मिले और कई जगह क्लीनिक संचालक मौके से भाग निकले। जिन क्लीनिकों का संचालन दस्तावेजों के बिना पाया गया, उन्हें नोटिस जारी किया गया है।क्षेत्र के पारा बाजार, वलीपुर, बल्दीराय, बघौना, हलियापुर, बहुरावा, चक टेरी आदि बाजारों में छापेमारी की गई।टीम में डॉ. अजय प्रताप सिंह,डॉ. अशोक मिश्रा,चीफ फार्मासिस्ट के.के. दुबे,विजय कुमार, हरीश सिंह,विजय सिंह,नंदलाल यादव,स्थानीय पुलिस बल मौजूद रही।चिकित्सा प्रभारी ने कहा है कि फर्जी और अवैध रूप से चल रहे अस्पतालों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा। उन्होने जनता से अपील की गई है कि केवल प्रमाणित और पंजीकृत चिकित्सा केंद्रों पर ही इलाज कराएं।

बल्दीराय तहसील क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवैध पैथालाजी व अस्पाताल की जांच करने की बाद नोटिस तो जारी कर देता है लेकिन अवैध तरीके से चल रहे पैथोलॉजी एवं अस्पताल के विरुद्ध कार्यवाही क्यों नहीं होती कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग सिर्फ नोटिस जारी करके कार्यवाही की इतिश्री कर देता है लेकिन जमीनी स्तर पर कर वही नहीं हो पाती।

बॉयफ्रेंड के साथ गलत अवस्था में थी दो बच्चों की मां... देखते ही भड़का पति, दांतों से काट डाली पत्नी की नाक

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई में एक पति ने अपनी पत्नी की नाक काट दी। पति ने पत्नी को प्रेमी के साथ रंगरेलियां मनाते हुए पकड़ लिया था। घटना में पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पत्नी ने पति के परिवार वालों और पति पर उसे जान से मार देने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

ये मामला हरदोई के हरियावां थाना क्षेत्र के देवरिया प्रसिद्ध नगर से सामने आया है, जहां पति ने अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ उसके घर पर पकड़ लिया था। इस बात से आग बबूला हुए पति ने पत्नी की अपने दांतों से नाक काट दी। दरअसल दो बच्चों की मां अपने प्रेमी सुशील से उसके घर मिलने गई थी।

जैसे ही इस बात की खबर उसके पति को लगी वह भी प्रेमी के घर जा धमका और दोनों को गलत अवस्था में रंगे हाथों पकड़ लिया।

जान से मारने की धमकी देने का आरोप

इसके बाद पति ने अपने दांतों से ही महिला की नाक काट दी। इससे वह लहूलुहान हो गई। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। डॉक्टर ने महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे लखनऊ रेफर कर दिया। वहीं महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर जान से मार देने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

महिला को लखनऊ रेफर कर दिया गया

हरदोई के हरियावां सीओ अजीत सिंह चौहान ने देवरिया प्रसिद्ध नगर में घटी घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पति ने पत्नी पर जानलेवा हमला किया, जिसमें वह घायल हो गई है। हालत को गंभीर देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी पति को गिरफ्तार कर जरूरी कार्रवाई की जा रही है। घायल महिला को लखनऊ रेफर कर दिया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है और मामले की जांच की जा रही है।

डीएम ने पीओ नेडा को दिए रैंकिंग सुधार का अल्टीमेटम

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता, मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक व प्रशिक्षु आई.ए.एस. रिदम आनन्द की उपस्थिति में नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों व 50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक उ0प्र0 मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से आयोजित की गयी। उक्त बैठक में विभागवार संचालित परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा सम्बन्धित विभाग के अधिकारी व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि की उपस्थिति में की गयी। जिलाधिकारी द्वारा विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान पीएम सूर्य घर योजना के तहत लक्ष्य के अनुरूप प्रगति कम होने तथा रैंक प्रभावित होने पर पीओ नेडा को निर्देशित किया गया कि लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाते हुए सुधार लाये। जिलाधिकारी महोदय द्वारा विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान 74वीं रैंक होने पर सम्बन्धित अधिशाषी अभियन्ता को कड़ी फटकार लगाते हुए फीडिंग सही कराने के निर्देश दिये गये। उन्होंने निर्देशित किया कि अगले माह की समीक्षा बैठक से पहले रैंक में सुधार लाये, अन्यथा की स्थिति में कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। डीएम द्वारा आवास विकास की समीक्षा बैठक के दौरान जनपद की रैंक में गिरावट आने पर सम्बन्धित को निर्देशित किया कि अगले 15 दिनों में प्रभावी कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें, जिससे रैंक में सुधार हो सके। जिलाधिकारी महोदय द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपकरण रखरखाव में रैंक खराब होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। जल जीवन मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत समीक्षा के दौरान एक्सईएन जल जीवन मिशन को प्रदेश में 53वीं रैंक होने पर उन्हें निर्देशित किया कि कार्य में प्रगति लाते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य कराकर रैंक में और बेहतर सुधार लायें।

आखिरकार डॉ हरिदत्त नेमी की हो गई छुट्टी, डीएम संग चल रहे विवाद की वजह से थे चर्चा में, कई दिग्गजों से लगवाई थी पैरवी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। पिछले कई दिनों से जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के बीच चल रहे विवाद में सीएमओ डॉक्टर हरिदत्त नेमी की छुट्टी हो गई है। उन्हें शासन की ओर से निलंबन की कार्रवाई करते हुए महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के लिए लखनऊ संबद्ध कर दिया गया है।

उनके स्थान पर श्रावस्ती के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर उदय नाथ को कानपुर नगर का नया मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है।

जिले में बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के ओर से सीएमओ डॉक्टर हरीदत्त नेमी को लगातार कटघरे में खड़ा किया जा रहा था। स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लचर रवैया अपनाने के लिए जिलाधिकारी की ओर से शासन को कई पत्र सीएमओ के खिलाफ भी लिखे गए थे।

पिछले दिनों प्रचलित हुई ऑडियो में सीएमओ और जिलाधिकारी के बीच विवाद और बढ़ गया। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से लेकर भाजपा के कई विधायक और विधान परिषद सदस्य भी डीएम और सीएमओ के पक्ष में खड़े हुए।

पूरे विवाद में सीएमओ की ओर से कई आरोप लगाते हुए डीएम को गुमराह करने की बात कही गई। हालांकि गुरुवार को सचिव रितु माहेश्वरी की ओर से जारी हुए पत्र सीएमओ पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

पिछले दिनों प्रचलित हुई ऑडियो में सीएमओ और जिलाधिकारी के बीच विवाद और बढ़ गया। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से लेकर भाजपा के कई विधायक और विधान परिषद सदस्य भी डीएम और सीएमओ के पक्ष में खड़े हुए।

पूरे विवाद में सीएमओ की ओर से कई आरोप लगाते हुए डीएम को गुमराह करने की बात कही गई। हालांकि गुरुवार को सचिव रितु माहेश्वरी की ओर से जारी हुए पत्र सीएमओ पर निलंबन की कार्रवाई की गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेजा है। पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है। बाराबंकी जिले के देवा थाना अंतर्गत सरसौदी निवासी सत्येंद्र कुमार पुत्र राम शंकर की सड़क दुर्घटना में बुधवार की रात मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह अपाचे बाइक से से लखनऊ से मऊ की ओर जा रहे थे। घटना हलियापुर थाना क्षेत्र के 82/600 पर हुई है। सत्येंद्र की बाइक आगे चल रहे किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। टक्कर के बाद वह गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इसी दौरान कैंट थाना नई दिल्ली निवासी शोभनाथ पुत्र तुलसीराम अपनी पत्नी अनीता के साथ ईको स्पोर्ट कार में वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने मृतक को बचाने का प्रयास किया। इस दौरान उनकी कार MBCB से टकरा गई और क्षतिग्रस्त हो गई। दंपती अपनी गाड़ी छोड़कर दूसरे साधन से वहां से चले गए।

ससुर ने चुपके से भगा ली बेटे की दुल्हनिया, 8 दिन बाद बहू संग शादी करके लौटा तो... गजब की है ये लव स्टोरी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। प्यार कब कैसे और किससे हो जाए, कुछ पता नहीं चलता। आए दिन कई अजीबो-गरीब लव स्टोरियां देखने और सुनने को मिलती रहती हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ का सास-दामाद केस किसे याद नहीं। यहां दूल्हे का अपनी ही होने वाली सास संग चक्कर चला। फिर दोनों भाग गए। इस लव स्टोरी जैसी ही गजब की प्रेम कहानी रामपुर में भी देखने को मिली। यहां अधेड़ उम्र के शख्स ने बेटे का रिश्ता जिस लड़की से तय करवाया, उसे खुद भी दिल दे बैठा। बहू को भी होने वाले ससुर से प्यार हो गया। दोनों समाज की परवाह किए बिना भाग गए। फिर निकाह करके वापस लौटे।

यह अनोखी शादी अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग इस जोड़े को लेकर तरह-तरह की बातें भी कर रहे हैं। लेकिन पति-पत्नी बने इस नवविवाहित दंपति को किसी की परवाह नहीं। आलम तो ये

भी हो गया कि जैसे ही ससुर अपनी बहू को ब्याह कर लाया तो घर में जमकर लात-घूंसे चले, फिर पंचायत बैठी। बाद में दोनों को घर से बाहर निकाल दिया।

मामला थाना भोट क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाले 55 वर्षीय ग्रामीण ने एक साल पहले अपने बेटे का रिश्ता अजीमनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में किया था। एक महीने बाद ही शदी की तारीख भी तय हो चुकी थी। रिश्ते के बाद से ही पिता का बेटे की ससुराल में आना-जाना लगा रहता था। लेकिन यह किसी को पता नहीं थी कि पिता बेटे की ससुराल में क्या गुल खिला रहा है।

कार में भगा ले गया बहू को ससुर

आठ दिन पूर्व दूल्हे का पिता कार लेकर होने वाली बहू के मायके पहुंच गया। कहने लगा- आपकी बेटी बहुत कमजोर है। मैं इसे डॉक्टर को दिखा लाता हूं। शाम तक दोनों नहीं लौटे तो दुल्हन के ससुर को परिवार ने फोन किया। ससुर बोला- बहू को अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है। दो दिन तक वापस नहीं आने पर युवती के परिजनों ने फिर संपर्क साधा तो उसने टाल-मटोल कर दी।

पिता-बेटे के बीच चले लात-घूंसे

फिर आठ दिन बाद कुछ ऐसा हुआ जिससे हर कोई सन्न रह गया। ससुर अपने ही बेटे की मंगेतर से निकाह के बाद घर लौटा। दोनों को इस तरह साथ देख घर में खूब हंगामा हुआ। इस दौरान पिता और पुत्र के बीच जमकर हाथापाई हुई। जबकि नवविवाहिता की भी उसकी होने वाली सास संग लड़ाई हुई। देखते ही देखते पिता- पुत्र एक दूसरे की जान लेने पर अमादा हो गए।

गांव से बाहर निकाला गया दोनों को

आस पड़ोस के लोगों ने किसी तरह मामले को शांत कराया। शाम को फिर पंचायत बैठाई गई। इस दौरान पत्नी और बेटा नव विवाहित जोड़े को गांव से निकाल देने की जिद पर आ गया। बेटे और पत्नी के तेवर देख पिता अपनी दुल्हनिया को लेकर मौके से खिसक लिया। फिलहाल प्रेमी जोड़े ने अपना नया ठिकाना शहजादनगर थाना क्षेत्र के एक गांव को बना लिया है। बेटे की मंगेतर से पिता की शादी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुई है। उधर युवती के परिजनों की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्होंने पूरे मामले में खामोशी बना ली है।

डॉक्टर बन गया बंदर ! केबिन में कुर्सी पर बैठा और दवाई की चेक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से एक बंदर का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक बंदर हॉस्पिटल में आता है और डॉक्टर साहब की टेबल पर बैठकर सारे सामान को एक-एक कर चेक करता है। डॉक्टर साहब बंदर को केला देने की कोशिश करते हैं। लेकिन बंदर केले को नहीं लेता और फिर से टेबल पर रखी दवाई को खोल कर चेक करता है।

इसके बाद वह डॉक्टर की चेयर पर रखे भगवा तौलिए को देखकर उसपर बैठ जाता है। डॉक्टर के केबिन में मौजूद मरीजों को ये बंदर कुछ नहीं कहता और कुछ देर बाद हॉस्पिटल में रहने के बाद वहां से चला जाता है। ये वायरल वीडियो सहारनपुर के गंगोह कस्बे के लखनौती रोड स्थित एक हॉस्पिटल का है, जहां एक बंदर डॉक्टर आशीष शर्मा के केबिन में आ गया था।

दवाई चेक करने लगा बंदर

डॉक्टर आशीष उस समय मरीजों को देख रहे थे। अचानक से आए इस बंदर को देखकर पहले तो सभी लोग डर गए। लेकिन जब बंदर आराम से टेबल पर बैठ गया और बारी बारी से सभी चीजों को चेक करने लगा तो डॉक्टर और मरीजों के दिल से डर दूर हुआ। डॉ साहब ने इन बजरंगी के लिए केला भी मंगवाया। लेकिन बंदर ने केले की तरह देखा तक नहीं और अपने चेकिंग के काम में लगा रहा।

लोग कर रहे मजेदार कमेंट्स

वहीं डॉक्टर की चेयर पर लगे भगवा रंग के तौलिए पर जब बंदर की नजर पड़ी तो वो पहले तो उससे चिपक गया और फिर आराम से बैठ गया। कुछ देर तक बंदर की वजह से डरने वाले डॉक्टर और मरीज बंदर की इन हरकतों को देखकर हंसने लगे। वहीं जब ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो इस वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट्स देखने को मिले।

कुछ लोगो ने वीडियो देखकर बंदर को डॉ साहब बताया तो एक ने लिखा, 'सीएमओ साहब ने हॉस्पिटल की जांच की'। इसके साथ ही कुछ लोगों ने 'जय बजरंग बली' भी लिखा। ये वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है और लोग इसे काफी पसंद भी कर रहे है।

मेरठ में इनामी बदमाश का एनकाउंटर, चार साल से था फरार, एसएसपी विपिन ताडा ने दी पूरी जानकारी

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। इंचौली पुलिस ने 25 हजार के इनामी गोकश व सरधना पुलिस ने हत्या के मामले में चार साल से फरार चल रहे 10 हजार के इनामी बदमाश को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। गोकश के पैर में गोली लगी है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसएसपी डा. विपिन ताडा ने बताया कि 9 अप्रैल 25 की रात इंचौली के ग्राम जलालपुर जंगल में गोकशी के मामले में पुलिस ने परवेज उर्फ पप्पू, आकिब, वसीम, कादिर को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया था। घटना में शामिल आसिफ उर्फ सोनू पुत्र गुलजार व उजेफा पुत्र गोला फरार चल रहे थे।

उन पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। बुधवार देर रात एक सूचना के बाद मसूरी पुल के पास चेकिंग की गई। एक संदिग्ध बाइक को रोकने का प्रयास किया गया। बाइक सवार फायरिंग कर

भागने लगा। जवाबी फायरिंग में बाइक सवार पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

उससे एक तमंचा व कारतूस बरामद हुए। उसकी पहचान आसिफ उर्फ सोनू के निवासी अगवानपुर के रूप में हुई। दूसरी मुठभेड़ थाना सरधना व स्वाट टीम की मेरठ-करनाल हाईवे पर हुई।

17 मई 21 को गांव बपारसी में विनोद, सुबोध, रवि, अशोक, नरेन्द्र उर्फ लाला, मन्टू उर्फ हरपाल, आकाश, शेर सिंह, आकाश, दीपक सिंह व दुष्यंत निवासी बपारसी ने राड, सरिया, फरसे व बलकटी से दीपक के घर पर हमला किया।

इसमें उसके पिता सुरेश, भाई कृष्ण, ताऊ सुरेन्द्र व ताऊ के पुत्र रोहित गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें सुरेन्द्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। दीपक ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बाकी ने जमानत करा ली थी लेकिन नरेन्द्र उर्फ लाला फरार चल रहा था।

उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया। चार साल तक वह पुलिस के हाथ नहीं आया। एसएसपी ने बताया कि एक सूचना के बाद बपारसी गांव की टंकी के पास नरेन्द्र उर्फ लाला को गिरफ्तार किया गया।

नगर निगम लखनऊ का सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान

गोमतीनगर, अर्जुनगंज, सरोजिनी नगर व कन्हैया माधवपुर में बड़ी कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा गुरुवार 19 जून को शहर के कई क्षेत्रों में सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई महापौर सुषमा खर्कवाल के निर्देश और नगर आयुक्त गौरव कुमार के आदेश पर की गई, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कराना और नागरिकों को सुगम आवागमन व स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना है। नगर निगम के विभिन्न जोनों में जोनल अधिकारियों के नेतृत्व में अभियान संचालित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में अस्थायी झुग्गियां, गुमटी, दुकानें, ठेले और अन्य अवैध ढांचे हटाए गए।जोन-4 में जोनल अधिकारी संजय यादव के नेतृत्व में ग्वारी चौराहा से गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में फ्लाईओवर के नीचे बनी झुग्गियों को हटाया गया। इसके बाद विभूति खंड में मॉडल वेंडिंग जोन के चारों ओर फैलाए गए

अतिक्रमण को भी साफ किया गया। जेनेश्वर मिश्रा पार्क के गेट नंबर-7 के समीप अतिक्रमण हटाकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इसके अलावा अर्जुनगंज चौराहे से अहिमामऊ पुल तक चलाए गए विशेष अभियान में भारी पुलिस बल, पीएसी और थाना सुशांत गोल्फ सिटी के प्रभारी निरीक्षक की उपस्थिति में दर्जनों अवैध ठिकानों को हटाया गया। इस दौरान बड़ी मात्रा में सामान भी जब्त किया गया।जोन-5 क्षेत्र में एयरपोर्ट नादरगंज चौराहे से पटरी दरोगा खेड़ा और सरोजिनी नगर औद्योगिक क्षेत्र में अस्थायी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यहां पर चार काउंटर, दो गुमटी और सात ठेले हटवाए गए। अतिक्रमणकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि भविष्य में दोबारा सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें। यह कार्रवाई जोनल अधिकारी नंदकिशोर, कर अधीक्षक आलोक कुमार श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक हर्षेंद्र प्रताप सिंह और प्रवर्तन दल (296) की उपस्थिति में संपन्न हुई।इसी तरह जोन-6 के अंतर्गत कन्हैया माधवपुर द्वितीय वार्ड में फरीदीपुर स्थित पाल मिष्ठान भंडार से लेकर दुबग्गा चौराहे तक सघन कार्रवाई की गई। इस दौरान 19 ठेले, 9 गुमटी, 11 अस्थायी दुकानें, 4 लोहे की सीढ़ियां, 2 लोहे की जालियां, एक फेम बोर्ड, चार टायर, दो फ्लैक्स बोर्ड, चार प्लास्टिक स्टूल और दो कुर्सियां जब्त की गईं। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में जोनल अधिकारी मनोज यादव, कर अधीक्षक विजय शंकर, राजस्व निरीक्षक आशीष कुशवाहा, कर निरीक्षक धर्मदेव और नगर निगम का प्रवर्तन दल उपस्थित रहा। साथ ही स्थानीय थानाध्यक्ष को भी पत्र भेजकर निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।नगर निगम लखनऊ ने स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण के विरुद्ध यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा और शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए कोई भी ढील नहीं दी जाएगी। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से नागरिकों में जागरूकता बढ़ी है और अनेक इलाकों में पैदल राहगीरों को राहत महसूस हुई है।

विधायक चंद्रभानु पासवान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान की मांग की

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मिल्कीपुर के विधायक चंद्रभानु पासवान ने गुरुवार को 5 कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से आशीर्वाद प्राप्त किया और अपने विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।विधायक पासवान ने बताया कि उन्होंने सड़क, पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी क्षेत्रीय जनसमस्याओं और जनता की अपेक्षाओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि जनहित सर्वोपरि है और सरकार विकास व समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।चंद्रभानु पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक रहा है और उनके नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। उन्होंने

बताया कि इस मुलाकात के दौरान उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं पर आधारित एक गंभीर मुद्दों का पत्रक भी मुख्यमंत्री को सौंपा।गौरतलब है कि विधायक चंद्रभानु पासवान ने मिल्कीपुर विधानसभा से रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज की थी। जीत के बाद से वे निरंतर क्षेत्र की जनता के सुख-दुख में सहभागी बनकर कार्य कर रहे हैं। विधानसभा में यह भी चर्चा है कि वे उन गिने-चुने जनप्रतिनिधियों में से हैं, जिनका सम्पूर्ण परिवार—पिता, चाचा और पत्नी सहित—जनसेवा में सक्रिय रूप से जुटा है।जनता के बीच अपनी सरलता और सक्रियता के लिए पहचाने जाने वाले विधायक पासवान की यह पहल एक बार फिर उनके जनप्रतिनिधित्व की संजीदगी और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

लखनऊ में 22 जून को होगा अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन, मुख्यमंत्री योगी सहित कई दिग्गज नेता आमंत्रित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आगामी 22 जून को राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का खुला राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के 27 राज्यों से आए राष्ट्रीय प्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारी, विधायक, मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिवेशन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को भी आमंत्रित किया गया है।गुरुवार को लखनऊ में आयोजित एक प्रेस वार्ता में वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी राघवेन्द्र सिंह राजू ने बताया कि यह अधिवेशन दो दशक बाद राजधानी में हो रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह करेंगे। अधिवेशन में 100 निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया जाएगा।राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर हरिवंश सिंह बीते 75 वर्षों से संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में अब तक तीन बड़ी पदयात्राएं आयोजित की जा चुकी हैं और संगठन का विस्तार ₹खाड़ी से पहाड़ी तक₹ हुआ है। उन्होंने यह भी मांग की कि लखनऊ, दिल्ली और मुंबई में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के स्थायी कार्यालय स्थापित किए जाएं।राघवेन्द्र ने कहा कि देश की उन्नति सभी वर्गों के सामंजस्य से ही संभव है। क्षत्रिय समाज का योगदान केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी सराहना का विषय रहा है। उन्होंने क्षत्रिय समाज की ऐतिहासिक विरासत पर बात करते हुए कहा कि यह समाज रियासतों के बलिदान से जुड़ा है, लेकिन आज उसे जातिगत राजनीति के चलते हाशिए पर ला दिया गया है।उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि संगठन की एकजुटता और भविष्य की दिशा तय करने का मंच है। अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा और समाज के समर्पित प्रतिनिधियों से आगे आकर नेतृत्व संभालने की अपील की जाएगी।प्रेस वार्ता के दौरान वीरपाल भदौरिया, पारस चौहान, भुवनेश्वर सिंह, जय गोबिंद सिंह, आलोक सिंह, अमरेन्द्र सिंह, डॉ. राजीव पुंडीर, युवा अध्यक्ष दुर्गेश सेंगर सहित संगठन के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवेशन को लेकर राजधानी में क्षत्रिय समाज के बीच उत्साह का माहौल है। आयोजन में करीब 50 क्षत्रिय विधायकों के आने की पुष्टि हो चुकी है।

मलिहाबाद में वादी के पिता पर जानलेवा हमला करने वाला बाल अपचारी गिरफ्तार, बाँका बरामद

लखनऊ। थाना मलिहाबाद क्षेत्र में वादी के पिता पर बांके से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक 17 वर्षीय बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को ग्राम नवीनगर स्थित एक आम के बाग से पकड़कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है और उसे बाल सम्प्रेषण गृह भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।यह मामला 12 जून 2025 का है, जब ग्राम नवीनगर निवासी अभिषेक पुत्र मुनेश्वर ने थाना मलिहाबाद में तहरीर दी थी कि कुछ लोगों ने उनके पिता पर जान से मारने की नीयत से हमला किया और जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर संतोष पुत्र देवी दयाल, हमीद पुत्र साहिद, तंजीम पुत्र जमील, एक बाल अपचारी और संतोष की पत्नी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था।

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय और अज़ीम प्रेम फाउंडेशन के सहयोग से हिमाचल के बिलासपुर में बायोफर्टिलाइज़र उत्पादन इकाई की स्थापना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के तकनीकी सहयोग और अज़ीम प्रेम फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर ज़िले में एक अत्याधुनिक बायोफर्टिलाइज़र उत्पादन इकाई एवं प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। इस पहल से उत्तर भारत के किसानों को जैविक खेती की दिशा में नया विकल्प और सशक्त मार्गदर्शन मिलेगा।बीबीएयू के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रोफेसर नवीन कुमार अरोड़ा ने हाल ही में बिलासपुर का दौरा कर मानव विकास संस्थान के कर्मचारियों को सूक्ष्मजीव आधारित उर्वरकों (माइक्रोब-बेस्ड बायोफर्टिलाइज़र) के निर्माण और उपयोग संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया। अब तक ये बायोफर्टिलाइज़र बीबीएयू में विकसित किए जाते थे और DST-SEED, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना

के अंतर्गत उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण किसानों को उपलब्ध कराए जाते थे। अब इस नई इकाई के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उत्पादन शुरू हो गया है, जिससे किसान सीधे लाभान्वित होंगे।Trichoderma, Pseudomonas और Bacillus जैसे प्रमुख सूक्ष्मजीवों पर आधारित बायोफर्टिलाइज़र अब बिलासपुर में तैयार किए जाएंगे। ये सूक्ष्मजीव न केवल मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में सहायक हैं, बल्कि फसलों को रोगों से भी बचाते हैं। इन उत्पादों को 'किसान का मित्र' कहा जा रहा है क्योंकि ये रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम कर पर्यावरण संरक्षण में भी भूमिका निभाते हैं।प्रयोगशाला का उद्घाटन बिलासपुर के विधायक जीत राम कटवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ₹यह प्रयोगशाला केवल किसानों के लिए नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगी। बीबीएयू और मानव विकास संस्थान का यह प्रयास राज्य में प्राकृतिक खेती को नई दिशा देगा।₹प्रो. अरोड़ा ने स्थानीय किसानों के साथ संवाद करते हुए उन्हें जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। मानव विकास संस्थान के निदेशक रसम सिंह चंदेल ने प्रो. अरोड़ा और उनकी टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्र के कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए वरदान साबित होगी और जैविक खेती को 'मिशन मोड' में आगे ले जाएगी।बीबीएयू की डॉ. प्रियंका वर्मा ने भी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने और ग्रामीणों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई।गौरतलब है कि प्रो. अरोड़ा की प्रयोगशाला बीते कई वर्षों से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल के दूरदराज़ इलाकों में सीमांत किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कार्य कर रही है। उनकी पहल से कानपुर क्षेत्र की लगभग 100 एकड़ बंजर भूमि को कृषि योग्य भूमि में बदल दिया गया है। उनका मिशन रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभाव को कम करना और किसानों को टिकाऊ जैविक विकल्प प्रदान करना है।

लखनऊ-कानपुर रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

लखनऊ। बीती रात लखनऊ-कानपुर रोड पर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना 19 जून 2025 को रात लगभग 1 बजे की है, जब एक अज्ञात वाहन ने सामने से आ रहे डाला वाहन (संख्या UP34AT3236) को जोरदार टक्कर मार दी।हादसे की सूचना मिलते ही सरोजनीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से तत्काल सीएचसी सरोजनीनगर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान पंकज गुप्ता (24 वर्ष), पुत्र स्व. प्रदीप कुमार, निवासी ब्राह्मणी टोला, थाना बिस्वा, जनपद सीतापुर और दीपू गुप्ता, पुत्र स्व. बाबूराम, निवासी शंकरगंज, थाना बिस्वा, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है।घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। पंचायतनामा की कार्यवाही कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवा दिया गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर आम आदमी पार्टी का योगी सरकार पर हमला, चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बढ़ती बिजली कटौती, बिजली दरों में प्रस्तावित वृद्धि और चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर आम आदमी पार्टी ने योगी सरकार को घेरते हुए तीखा हमला बोला है। गुरुवार को लखनऊ स्थित आप प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता कर निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार आम जनता को दोहरी मार दे रही है—एक ओर जहां शहर से गांव तक लोग बिजली कटौती से परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर पावर कॉरपोरेशन बिजली की दरों में भारी इजाफे की तैयारी में है।सभाजीत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने बुधवार को पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर बिजली कटौती और प्रस्तावित दर वृद्धि के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, ₹एक दिन में 10-10 बार बिजली कट रही है। अस्पतालों में बिजली नहीं है। बिजनौर मेडिकल कॉलेज में बिजली कटौती के चलते 26 साल के युवक की मौत हो गई, क्योंकि जनरेटर में तेल नहीं था। मां की गुहार पर भी जनरेटर नहीं चलाया गया।₹उन्होंने आरोप लगाया कि फर्रुखाबाद में डॉक्टर टॉर्च की रोशनी में पर्चा लिख रहा है और हापुड़ के अस्पताल में महिला का प्रसव मोबाइल की लाइट में कराया जा रहा है। इसके बावजूद सरकार प्रति किलोवाट शुल्क बढ़ाकर जनता की जेब पर और बोझ डालने की तैयारी में है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान ₹90 प्रति किलोवाट चार्ज को ₹150 किया जा रहा है, जबकि शहरी इलाकों में यह ₹110 से बढ़कर ₹190 होने वाला है।सभाजीत सिंह ने चेतावनी दी कि यदि सरकार बिजली दर वृद्धि का प्रस्ताव वापस नहीं लेती और बिजली कटौती पर रोक नहीं लगाती, तो आम आदमी पार्टी पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन करेगी। उन्होंने राहत इंदौरी की पंक्ति उद्धृत करते हुए कहा, ₹ये कुर्सी है जनाज़ा तो नहीं, कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते?₹प्रेस वार्ता में मौजूद प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि, ₹उत्तर प्रदेश का स्वास्थ्य तंत्र खुद आईसीयू में है और सरकार फोटोशूट में व्यस्त है।₹ उन्होंने बदायूं जिला अस्पताल का उदाहरण देते हुए बताया कि वेंटीलेटर के अभाव में एक दिन में चार नवजात शिशुओं की मौत हो गई। हर महीने यहां 30 से 40 बच्चों की मौत इसी वजह से हो रही है।फतेहपुर की घटना का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, ₹एक बाप अपने मासूम को गोद में लिए दौड़ता रहा, ऑक्सीजन की गुहार लगाता रहा लेकिन समय पर उसे नहीं मिला और उसकी मौत हो गई।₹ उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के डॉक्टर मरीजों की सेवा में नहीं, बल्कि दारू की व्यवस्था में लगे हैं। ललितपुर के सीएचसी में डॉक्टर के नशे में धुत्त होने के चलते एक घायल मरीज की जान चली गई।

अर्जुनगंज व्यापार मंडल का गठन आज

लखनऊ। शुक्रवार 20 जून को अर्जुनगंज व्यापार मंडल की ईकाई का गठन के उपलक्ष्य में गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सर्वहित व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार यादव की उपस्थिति में सम्पन्न हुई । बैठक के दौरान व्यापार से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही भविष्य की योजनाओं, समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। यह जानकारी देते हुए व्यापारी प्रीतम मिश्रा ने बताया कि अग्रवाल वस्त्रालय श्याम मिष्ठान वाटिका के बगल में अर्जुनगंज, लखनऊ पर बैठक के दौरान व्यापार मंडल के गठन का निर्णय लिया गया

डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की अनुशासनात्मक स्थायी समिति के सदस्य नियुक्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। डॉ. राजेंद्र प्रसाद को तीन साल के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (इंडिया) की अनुशासनात्मक स्थायी समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। प्रो. प्रसाद वर्तमान में 2023 से उत्तर प्रदेश स्टेट चैप्टर के अध्यक्ष/संयोजक हैं और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (इंडिया) के एमेरिटस प्रोफेसर भी हैं। वह 2005 से राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (इंडिया) के वरिष्ठ फेलो हैं।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) की स्थापना 21 अप्रैल, 1961 को हुई थी। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का उद्देश्य भारत में चिकित्सा विज्ञान के ज्ञान को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय कल्याण की समस्याओं के लिए इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग को बढ़ावा देना, चिकित्सा विज्ञान की सभी शाखाओं में योग्यता को मान्यता देना और प्रोत्साहित करना, चिकित्सा और अन्य वैज्ञानिक

अकादमियों, समाजों, संघों, संस्थानों, सरकारी चिकित्सा और वैज्ञानिक विभागों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों और अन्य देशों के राष्ट्रीय निकायों की मदद और सहयोग प्राप्त करना, चिकित्सा और अन्य विज्ञानों के बीच संपर्क को बढ़ावा देना और बनाए रखना है। राष्ट्रीय अकादमी (भारत) के स्टेट चैप्टर पहली बार 2023 में स्थापित किए गए थे।

स्टेट चैप्टर उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, (इंडिया) का उद्घाटन 25 मई 2023 को एरा के लखनऊ मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ में किया गया और यह देश का पहला स्टेट चैप्टर था।

डायरिया पर नियंत्रण के लिए 31 जुलाई तक चलेगा विशेष अभियान

सीएमओ ने किया डायरिया रोको अभियान का शुभारम्भ

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। जनपद में डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) का शुभारम्भ बृहस्पतिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि वर्मा ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से किया। यह अभियान आगामी 31 जुलाई तक चलेगा, जिसके तहत शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएँगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने इस मौके पर शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया की स्थिति में ओआरएस और जिंक की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे को दिन में तीन या तीन से अधिक बार दस्त हो तो समझना चाहिए कि बच्चा डायरिया से ग्रसित है और ऐसे में उसको तत्काल ओआरएस का घोल देना चाहिए ताकि शरीर में पानी की कमी न होने पाए। अभियान के तहत जन-जन तक यह सन्देश पहुँचाया जायेगा कि दस्त के दौरान बच्चों को तरल पदार्थ दिया जाए, दस्त होने पर बच्चों को उम्र के अनुसार 14 दिनों तक जिंक की गोली अवश्य दी जाए, स्वच्छ पेयजल का उपयोग किया जाए और खाना बनाने से पूर्व, परोसने से पूर्व और खाना खिलाने से पूर्व और बच्चों का मल साफ़ करने के बाद हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह से अवश्य धुलें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जो इस अभियान में सहयोग करेंगे। कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस व जिंक कॉर्नर बनाए गए हैं, दीवार लेखन के जरिए भी लोगों को डायरिया के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फ्रंट लाइन वर्कर का डायरिया के बारे में अभिमुखीकरण भी किया जा रहा है। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. जय गोविंद, एसीएमओ डॉ. सी. के. वर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अमर नाथ, डॉ. आर. पी. सिंह जिला सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक (डीसीपीएम), अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर राजन, पीएसआई से पंकज पाठक एवं अवध कुमार आदि मौजूद रहे।

नगर विकास विभाग ने नगर निकायों को वित्तीय व प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान करने हेतु संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया लागू की

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर विकास विभाग ने 74वें संवैधानिक संशोधन, 1992 के अनुरूप नगरीय निकायों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक स्वायत्तता देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वर्ष 2021 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया में व्यापक संशोधन कर नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के विकास कार्यों की प्रक्रिया को सरल, प्रभावी और जवाबदेह बनाया गया है।संशोधित नियमों के तहत अब नगर पंचायतें एक करोड़ रुपए और नगर पालिका परिषदें दो करोड़ रुपए तक के निर्माण कार्य स्वायत्त रूप से कर सकेंगी। इससे पहले केवल 40 लाख रुपए तक के कार्य ही स्वीकृत थे। इसके साथ ही सक्षम स्तर से मंजूरी मिलने पर निकाय प्रकाश व्यवस्था, खड़ंजा और एक मीटर तक चौड़ी नालियों के निर्माण कार्य तेजी से कर सकेंगे।

प्रयाग जोन की समीक्षा बैठक में कांग्रेस नेतृत्व ने संगठन सृजन अभियान की प्रगति पर जताया संतोष, भाजपा को सत्ता से बाहर करने का लिया संकल्प

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को छठवें और अंतिम दिन प्रयाग जोन की समीक्षा बैठक का आयोजन किया। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में प्रयाग जोन के जिलों – वाराणसी, गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर, सोनभद्र, कौशांबी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, अमेठी व सुल्तानपुर – के जिला एवं शहर अध्यक्षों और कोऑर्डिनेटरों ने भाग लिया।बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना', निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, पूर्व महासचिव अनिल यादव और वॉर रूम प्रभारी संजय दीक्षित भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता व मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सी.पी. राय ने बताया कि 2025 को कांग्रेस ने संगठन सृजन का वर्ष घोषित किया है। इसी के तहत उत्तर प्रदेश में 14 जून से 25 जून तक छह जोनों – पश्चिम, ब्रज, बुंदेलखंड, पूर्वांचल, अवध और प्रयाग – में जनपदवार संगठनात्मक समीक्षा बैठकें संपन्न की गईं।प्रभारी अविनाश पांडेय ने बताया कि इन छह दिनों की गहन समीक्षा से यह स्पष्ट हुआ कि प्रदेश के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने कांग्रेस नेतृत्व – अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा – की अपेक्षाओं के अनुरूप धरातल पर संगठन निर्माण में प्रभावी काम किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष समाप्त होने से पहले ही पांच-स्तरीय संगठन सृजन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

धर्म का एक दशक : मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

जनवरी 2024 में, जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ। सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमण, औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बाद, मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहित, बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था।

कुछ महीने पहले, भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है, जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से, इसे भुला दिया गया था, समुचित स्थान से वंचित किया गया, और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था - यह एक शक्तिशाली घोषणा थी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था, जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था।

2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी, बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा है, जो शरीर, मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है, बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है।

आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप से, सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने, पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्ताद एवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए।

भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था, बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेल लंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओर बदलाव का भी प्रतीक था।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ता की तुलना में शायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दर्शाती है। दिल्ली के गलियारों से दूर, प्राचीन बंदरगाह का नगर, जो कभी पल्लव राजवंश और भारत-चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ-साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले, तो भारत ने न केवल भूगोल, बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल, बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था। यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए, जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए। 2023 में जी-20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकर, यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तक, भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराई, बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगों, व्यंजनों, शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था।

'पाताल' में बने ईरान के फोर्दो न्यूक्लियर संयंत्र को उड़ाने की क्षमता रखता है यूएस का बंकर बस्टर बम

नीरज कुमार दुबे

यह भी बताया जा रहा है कि MOP तक पहुँच नहीं होने के कारण, इज़राइल ने फोर्डो को अप्रत्यक्ष रूप से निष्क्रिय करने के लिए वैकल्पिक योजनाएँ बनाई हैं। बताया जा रहा है कि इज़राइली बल फोर्डो को बिजली देने वाले जनरेटर या ट्रांसमिशन साइट्स को निशाना बना सकते हैं।

ईरान और इज़राइल के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस दौरान सबका ध्यान इस इस्लामी गणराज्य के फोर्डो परमाणु केंद्र की ओर लग गया है जोकि एक पहाड़ के भीतर गहराई में बताया जाता है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा माने जाने वाला यह केंद्र विशेष रूप से डिजाइन किया गया है ताकि इसे किसी भी प्रकार के हमलों से बचाया जा सके। बड़े से बड़ा बम और मिसाइल हमला इसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इसे नष्ट करने का मतलब है ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को पूरी तरह खत्म करना। ईरान जहां एक ओर अपने इस केंद्र की सुरक्षा के प्रति आश्वस्त है तो वहीं अमेरिका को इस केंद्र को उड़ाने की अपनी ताकत पर पूरा भरोसा है। हम आपको बता दें कि पूरी दुनिया में सिर्फ अमेरिका के पास ऐसा हथियार है जो उस पहाड़ को भेद सकता है। इसे बंकर बस्टर बम कहा जाता है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 'बंकर-बस्टर' बम को आधिकारिक रूप से मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर (MOP) कहा जाता है। हम आपको बता दें कि 30,000 पाउंड के वजन वाला यह बम इंजीनियरिंग की एक अद्भुत उपलब्धि है, जिसे विशेष रूप से गहराई में छिपे और किलेबंद लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आमतौर पर इसे "बंकर-बस्टर" कहा जाता है। इसका विकास तब हुआ जब खुफिया एजेंसियों को यह पता चला कि ईरान और उत्तर कोरिया जैसे विरोधी देश अपनी परमाणु सुविधाओं को हवाई हमलों से बचाने के लिए उसे ज़मीन के नीचे ले जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि आकार और संरचना के मुताबिक यह बम 20 फीट लंबा और 30,000 पाउंड वजनी होता है। इसमें बड़ा विस्फोटक नहीं बल्कि मज़बूत स्टील की परत होती है, जिससे यह ज़मीन, कंक्रीट और चट्टानों की कई परतों को भेदते हुए लक्ष्य तक पहुँच सकता है और फिर विस्फोट करता है। बताया जाता है कि इसकी भारी मात्रा और आकार के कारण केवल B-2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर ही इस बम को ले जा सकता है और गिरा सकता है। हम आपको बता दें कि यह स्टील्थ बॉम्बर दुनिया में सिर्फ अमेरिका के पास है।

ईरान से सीधे भिड़ रहे इजराइल को भरोसा है कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका अपने इस अचूक हथियार का प्रयोग जरूर करेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) ने एक रिपोर्ट में कहा था कि फोर्डो केंद्र में ईरान परमाणु हथियार बनाने की 90% सीमा के बेहद करीब पहुँच गया है। वैसे इज़राइल के पास उन्नत लड़ाकू विमान और खुफिया क्षमताएँ हैं जिनका इस्तेमाल वह ईरान को नुकसान पहुँचाने में कर रहा है और आगे और भी कर सकता है लेकिन उसके पास न तो मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर यानि MOP है और न ही वह विमान है जिससे इसे गिराया जा सके। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका ने अब तक यह बम इज़राइल को देने से इंकार किया है, क्योंकि इससे क्षेत्रीय युद्ध भड़क सकता है। अमेरिका इस बम को अब तक मात्र एक निवारक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है और ईरान को यह संकेत देता है कि उसकी भूमिगत सुविधाएँ पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं।

यह भी बताया जा रहा है कि MOP तक पहुँच नहीं होने के कारण, इज़राइल ने फोर्डो को अप्रत्यक्ष रूप से निष्क्रिय करने के लिए वैकल्पिक योजनाएँ बनाई हैं। बताया जा रहा है कि इज़राइली बल फोर्डो को बिजली देने वाले जनरेटर या ट्रांसमिशन साइट्स को निशाना बना सकते हैं, जिससे इसकी गतिविधियाँ बाधित हो सकती हैं, भले ही मुख्य सुविधा बनी रहे। इसके अलावा, इज़राइली कमांडो फोर्डो में घुसपैठ कर उसमें तोड़फोड़ कर सकते हैं। हम आपको बता दें कि यह रणनीति इज़राइल पहले भी इस्तेमाल कर चुका है, जैसे सीरिया में हिज़्बुल्ला के मिसाइल कारखाने को नष्ट किया गया था। इसके अलावा इजराइल के पास एक और विकल्प है कि फोर्डो का प्रवेश द्वार और सुरंगों को नष्ट कर दिया जाये ताकि इस केंद्र तक पहुँचना असंभव हो जाए।

हम आपको बता दें कि फोर्डो, ईरान की दूसरी परमाणु संवर्धन सुविधा केंद्र नतांज़ से छोटा है और ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 95 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में क़ोम शहर के पास एक पहाड़ के भीतर स्थित है। इसका निर्माण 2006 में शुरू हुआ था और यह 2009 में चालू हुआ था। उसी साल ईरान ने इसकी मौजूदगी को सार्वजनिक किया था। बताया जाता है कि फोर्डो लगभग 80 मीटर (260 फीट) गहराई में चट्टान और मिट्टी के नीचे बसा हुआ है और इसे ईरान और रूस द्वारा आपूर्ति किए गए सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम से भी सुरक्षा प्राप्त है। हालांकि, हालिया इज़राइली हवाई हमलों में इन वायु रक्षा प्रणालियों के प्रभावित होने की संभावना जताई गई है।

बहरहाल, इस कड़ी सुरक्षा के बावजूद, इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को नष्ट करना उनकी रणनीति का मुख्य उद्देश्य है। इज़राइली अधिकारियों के अनुसार, फोर्डो इस व्यापक रणनीति में एक प्रमुख लक्ष्य बना हुआ है।

अजब-गजब

जुलाई में मचेगी तबाही, शुरू हो गया काउंटडाउन? नई बाबा वेंगा की भविष्यवाणी से खौफ में दुनिया!

जुलाई 2025 आने से पहले ही जापान समेत पूरी दुनिया में एक अजीब-सा डर पसर गया है। इसकी वजह हैं एक रहस्यमयी जापानी मंगा कलाकार रयो तत्सुकी, जिनकी किताब 'The Future I Saw' में की गई चौंकाने वाली भविष्यवाणी ने इन दिनों पूरी दुनिया में बवाल मचाया हुआ है। लोग रयो तत्सुकी को अब नई 'बाबा वेंगा' (मशहूर बल्गेरियाई भविष्यवक्ता) कहने लगे हैं। क्योंकि, मंगा कलाकार की कई पुरानी भविष्यवाणियां सच हो चुकी हैं। उनकी किताब में किए दावे की मानें, तो अगले महीने 5 जुलाई को जापान में एक भयानक आपदा आने वाली है, जिसमें सुनामी की लहरें तीन गुना अधिक ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं!

जापानी मंगा कलाकार की इस डरा देने वाली भविष्यवाणी ने सोशल मीडिया पर भयंकर बवाल काट रखा है। लाखों लोग इसे लेकर टेंशन में हैं, और लगातार इस पर पोस्ट और वीडियो शेयर कर रहे हैं। कोई सुनामी की आशंका जता रहा है, तो कोई कह रहा है कि महाप्रलय आने वाली है, जिसकी जड़ें जापान और फिलीपींस के बीच समुद्र के भीतर किसी रहस्यमयी दरार से जुड़ी हो सकती हैं।

रयो तत्सुकी खुद को बुरे सपनों के जरिए भविष्य देखने वाली बताती हैं। बताया जाता है कि उन्होंने अपनी किताब 'द फ्यूचर आई साउ' में जिन घटनाओं का जिक्र किया है, उनमें से कई सच साबित हुई हैं। सबसे ज्यादा चर्चा उनकी 1999 में की गई उस भविष्यवाणी की होती है, जो मार्च 2011 को जापान में आए शक्तिशाली भूकंप और सुनामी से काफी मिलती-जुलती थी। इस प्राकृतिक आपदा ने जापान को हिलाकर रख दिया था।

अब 5 जुलाई को लेकर की गई उनकी भविष्वाणी ने लोगों में खौफ पैदा कर दिया है। हालांकि, रयो तत्सुकी ने अपनी किताब में साफ-साफ नहीं बताया है कि आखिर ये आपदा क्या होगी, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे शक्तिशाली भूकंप और सुनामी मान लिया है, जो महाप्रलय का कारण बनेंगे। डरा देने वाली इस भविष्यवाणी का असर ये हुआ है कि पर्यटकों ने जापान से किनारा कर लिया है। ब्लूमबर्ग इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, जापान के लिए जून के आखिर और जुलाई की शुरुआत में फ्लाइट बुकिंग में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। हांगकांग की एक ट्रैवल एजेंसी का कहना है कि ऐसा लगता है कि टूरिस्ट डर के मारे जापान का नाम तक नहीं लेना नहीं चाहते! एजेंसी का कहना है कि अप्रैल-मई के स्प्रिंग ब्रेक में भी जापान की बुकिंग में 50 फीसदी तक गिरावट आई थी। वहीं, कई लोगों ने अपनी गर्मियों की छुट्टियों की प्लानिंग तक कैंसल कर दी है। उधर, जापान ने इन भविष्यवाणियों को पूरी तरह से बकवास करार दिया है। मियागी प्रांत के गवर्नर योशिहिरो मुराई ने कहा, अफवाहों पर ध्यान न दें, बिंदास होकर जापान आएं। ऐसी अफवाहें पर्यटन को प्रभावित करती हैं। डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जापानी देश छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं।

ब्लॉग

दुनिया में कोई फ्री में नहीं खिलाता, व्हाइट हाउस में ट्रंप की रोटी खाते ही मुनीर को यह बात समझ आ गयी

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ दोपहर का भोज करके पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि पाकिस्तान में सरकार नहीं बल्कि सेना ही असली ताकत रखती है। ट्रंप ने जिस तरह से असीम मुनीर को खाना खिलाते समय कहा कि मुझे पाकिस्तान से प्यार है उससे यह भी संकेत मिले कि अमेरिकी राष्ट्रपति के मन में कुछ बड़ा चल रहा है। हम आपको बता दें कि ईरान पर हमला करने की तैयारी कर चुका अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान उसकी मदद करे। हम आपको याद दिला दें कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन को उखाड़ने के लिए भी अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना बेस बनाया था। चूंकि ईरान की सीमाएं भी पाकिस्तान के साथ लगती हैं इसलिए अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान एक बार फिर उसे अपना बेस वहां बनाने दे ताकि उसके लड़ाकू विमान वहीं से उड़ान भर सकें। अमेरिका जानता है कि पाकिस्तान में इस बात की इजाजत वहां की सरकार नहीं बल्कि सेना ही दे सकती है इसलिए मुनीर को लंच पर बुलाया गया।

इसके अलावा इजराइल भी चाहता है कि ईरान को किसी भी मुस्लिम देश की मदद नहीं मिले, इसके लिए उसने अमेरिका से पाकिस्तान को समझाने के लिए कहा था। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान और इजराइल के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं और हाल ही में पाकिस्तान ने ईरान पर हुए इजराइली हमलों की निंदा की है इसलिए ट्रंप यह सुनिश्चित कर रहे थे कि पाकिस्तान ईरान की मदद के लिए आगे नहीं आये। इसके अलावा ट्रंप का एक और गेम प्लान यह था कि वह मुनीर को लंच कराने के दौरान उनकी भेंट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करवा दी जाये लेकिन मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह चाल समझ गये थे इसलिए उन्होंने कनाडा से लौटते वक्त अमेरिका में कुछ समय रुकने का उनका आग्रह ठुकरा दिया था। मोदी समझ गये थे कि यदि ट्रंप ने अचानक उनकी और मुनीर की भेंट करवा कर दुनिया के सामने फिर से यह दावा कर दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सुलह करवा दी है तो उनके लिए घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर नई मुश्किल खड़ी हो जायेगी।

जहां तक ट्रंप और मुनीर के लंच की बात है तो बताया जा रहा है कि पहला निवाला मुंह में डालते ही मुनीर के होश उड़ गये क्योंकि वह कट्टरपंथी स्वभाव के हैं इसलिए उन्हें यह बात रास नहीं आई कि वह ईरान का साथ देने की बजाय इजराइल को अपना मिशन पूरा करते हुए देखें। मुनीर को ट्रंप की रोटी खाते ही यह बात समझ आ गयी कि दुनिया में कोई भी फ्री में कुछ नहीं खिलाता। वैसे भी ट्रंप राजनीतिज्ञ कम, व्यापारी ज्यादा हैं और उन्हें पता है कि पाकिस्तान के किसी भी सेनाध्यक्ष को मुंहमांगी कीमत देकर आसानी से खरीदा जा सकता है। यही काम ट्रंप ने किया और मुनीर को अपने पाले में कर लिया। वैसे, अमेरिकी राजनीति के इतिहास में यह दुर्लभ ही नहीं बल्कि अभूतपूर्व घटना है कि कोई अमेरिकी राष्ट्रपति किसी विदेशी सैन्य प्रमुख को लंच पर बुलाए। हालांकि अयूब खान, जिया-उल-हक और परवेज़ मुशर्रफ जैसे पाकिस्तानी सैन्य नेताओं ने अतीत में अमेरिकी राष्ट्रपतियों से मुलाकात की थी, लेकिन उन्होंने यह मुलाकात तब की थी जब वे सैन्य तख्तापलट के बाद पाकिस्तान के नेता बन गए थे। हम आपको यह भी बता दें कि ज़िया-उल-हक और मुशर्रफ ने भी अमेरिका से अरबों डॉलर की सैन्य सहायता और अनुदान प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान को एक 'किराए की सेना' में बदल दिया था।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में भी कहा गया है कि ट्रंप की इस पहल को मुनीर को पाकिस्तान का वास्तविक नेता मानने के तौर पर देखा जा रहा है। साथ ही ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका ईरान में अपने संभावित हमलों के लिए मुनीर का समर्थन प्राप्त करना चाहता है। इसके साथ ही अमेरिका और इज़राइल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान इस्लामी दुनिया में अलग-थलग रहे और उसे पाकिस्तान का समर्थन नहीं मिले। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ट्रंप की अजीबो-गरीब नीतियों को देखते हुए, यह भी संभव है कि मुनीर को चेतावनी दी गई हो कि अगर इस्लामाबाद ने ईरान का समर्थन किया तो परिणाम भुगतने होंगे। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की सरकार ने इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों की निंदा की है और उन्हें 'ईरान की संप्रभुता का खुला उल्लंघन' और 'अनुचित तथा अवैध आक्रामकता' बताया है।

एक रोचक तथ्य यह भी है कि वैसे तो मुनीर कट्टर इस्लामवादी माने जाते हैं, मगर उनके बारे में अमेरिका में रहने वाले इमरान खान की पीटीआई पार्टी के समर्थकों का आरोप है कि वह इज़राइल समर्थक हैं और अमेरिका-इज़राइल की ईरान के खिलाफ कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं ताकि पाकिस्तान एकमात्र इस्लामी परमाणु शक्ति बना रहे। हम आपको बता दें कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने ही सबसे पहले मुनीर की अमेरिका में गुप्त यात्रा का खुलासा किया था और आरोप लगाया था कि उन्होंने वॉशिंगटन डीसी में एक इज़राइल समर्थक लॉबी समूह AIPAC की बैठक में भाग लिया। उन्होंने उनके अमेरिकी सहयोगी साजिद तारार को 'इज़राइल का कट्टर समर्थक और फिलिस्तीनी व ईरानी मुसलमानों का दुश्मन' बताया था।

जहां तक ट्रंप और मुनीर के लंच के बाद आये अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा है कि 'मुझे पाकिस्तान से प्यार है'। साथ ही उन्होंने यह दावा किया है कि मुनीर ने भारत के साथ एक विनाशकारी युद्ध को टाल दिया। ट्रंप ने कहा, मुनीर इस युद्ध को पाकिस्तान की ओर से रोकने में बेहद प्रभावशाली था। यह भी कहा जा रहा है कि मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से लंच का निमंत्रण उस समय आया जब उन्होंने ट्रंप को भारत-पाक परमाणु युद्ध को रोकने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किए जाने की सिफारिश की। यह भी बताया जा रहा है कि यह लंच मीटिंग पाकिस्तानी-अमेरिकी व्यवसायी साजिद तारार के प्रयासों से आयोजित हुई, जो ट्रंप के लंबे समय से समर्थक और 'अमेरिकन मुस्लिम्स फॉर ट्रंप' समूह के संस्थापक हैं। तारार पिछले तीन रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता रहे हैं और उनकी MAGA विचारधारा से करीबी के कारण उनके बेटे को ट्रंप के पहले कार्यकाल में स्टेट डिपार्टमेंट में नियुक्ति मिली थी। रिपोर्टों के मुताबिक तारार ने फोर सीज़न्स होटल में मुनीर के लिए एक सामुदायिक स्वागत समारोह भी आयोजित किया, जिसमें सेना प्रमुख ने प्रवासी पाकिस्तानियों को पाकिस्तान के 'सच्चे राजदूत' बताया और उनके रेमिटेंस, निवेश और उपलब्धियों के माध्यम से अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि में योगदान की सराहना की।

बहरहाल, पाकिस्तान को अपने पहले कार्यकाल में 'धोखेबाज़' और 'आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह' कहने वाले ट्रंप का आतंकी देश के प्रति अचानक यू-टर्न पूरी दुनिया को चौंका रहा है। लेकिन सब यह भी समझ रहे हैं कि अमेरिका इस समय पाकिस्तान का उपयोग करना चाह रहा है। अमेरिका में तो ट्रंप के इन पैंतरों का विश्लेषण भी शुरू हो गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक डेरेक ग्रॉसमैन ने कहा, 'यह काफी हैरानी वाली बात है कि ट्रंप ने मोदी को चुपचाप व्हाइट हाउस आमंत्रित करने की कोशिश की जब असीम मुनीर भी वहां लंच के लिए मौजूद थे। उन्होंने कहा कि ट्रंप को भारत-पाकिस्तान तनावों की पृष्ठभूमि और इतिहास की कोई समझ नहीं है, वह बस एक फोटो खिंचवाना चाहते हैं ताकि बाद में नोबेल पुरस्कार मिल सके।

पिकअप ने मासूम को कुचला... पहले नाराज परिजनों ने नेशनल हाईवे किया जाम

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी ने सड़क किनारे बैठे बच्चे को रौंदा दिया। इसके बाद अस्पताल ले जाते समय रास्ते में बच्चे ने दम तोड़ा दिया। मासूम की पहचान विशाल गौतम (8 वर्ष) के रूप में हुई है। बच्चे की मौत से नाराज परिजनों (दलितों) ने ग्रामीणों के साथ मिलकर पहले नेशनल हाईवे रीवा-मिर्जापुर को जाम किया। फिर थोड़ी देर बाद पिकअप गाड़ी के चालक के घर पर धावा बोलकर उसे फूंक दिया।

सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस भी सूचना पर मौके पर पहुंची और बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजकर जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि पिकअप चालक महेंद्र यादव मिर्जापुर शहर से पिकअप गाड़ी को अपने गांव अहमलपुर लेकर जा रहा था। महेंद्र यादव नशे में था।

सड़क किनारे बैठा था मासूम

गांव में पहुंचते ही पहले वो एक झोपड़ी फिर एक मकान से टकराया और तीन लोगों को टक्कर मारी। फिर सड़क किनारे बैठे मासूम बच्चे को कुचल दिया। बच्चे को अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। बच्चे की मौत होने पर पहले ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे रीवा-मिर्जापुर मार्ग को जाम किया। पुलिस ने समझा बुझाकर जब जाम खुलवाकर बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव में तनाव की स्थिति

इसके थोड़ी देर बाद ग्रामीणों ने पिकअप गाड़ी चालक महेंद्र यादव के घर को फूंक दिया। फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर काबू पाय लिया। मामूली नुकसान हुआ है। गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। घटना की जानकारी देते हुए सीओ अमर बहादुर ने बताया कि एक्सीडेंट में एक बच्चे की मौत हो गई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क को जाम कर दिया था। जाम को खुलवा दिया गया।

पुलिस ने क्या बताया?

सीओ ने बताया कि बाद में घटना से छुब्ध होकर मृतक बच्चे के परिजनों ने आरोपी चालक के गांव की छोटे से झोपड़ी और भूसे के कमरे में आग लगा दी, जिससे मामूली नुकसान हुआ है, कोई जनहानि नहीं हुई है। सीओ ने बताया कि पहले एक्सीडेंट के मामले में परिजनों के तहरीर मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। अब आग के मामले में मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।

बीच रास्ते बिगड़ी ट्रेन चालक की तबीयत, सहायक ने दिखाई सूझबूझ..., यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाया कोटद्वार

आर्यावर्त संवाददाता

बिजनौर। आनंद विहार टर्मिनल से कोटद्वार जा रही एक्सप्रेस ट्रेन (14089) में उस वक्त हड़कंप मच गया जब ट्रेन के चालक बाबूराम की अचानक तबीयत बिगड़ गई। घटना बिजनौर जनपद के नजीबाबाद में स्नेह रोड स्टेशन के पास की है, जहां चालक को असहज महसूस हुआ। स्थिति को समझते हुए सहायक चालक ने कमान संभाली और ट्रेन को सुरक्षित कोटद्वार स्टेशन तक पहुंचा दिया। तड़के चालक को प्राथमिक उपचार दिया गया।

यह ट्रेन सामान्य रूप से नजीबाबाद स्टेशन से रात 2:55 बजे रवाना होती है, लेकिन गुरुवार को यह 3:15 बजे निकली। ट्रेन का खाली रैक सुबह 5 बजे तक वापस नजीबाबाद पहुंचना था, लेकिन चालक की तबीयत बिगड़ने के कारण इसमें देरी हुई।

लक्सर से एक अन्य चालक को बुलाकर ट्रेन को दोबारा रवाना किया गया, जो करीब 11 बजे नजीबाबाद पहुंची। घटना का असर नजीबाबाद-कोटद्वार रेलवे रूट की अन्य पैसेंजर ट्रेनों पर भी पड़ा। सुबह 8:45 पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेन 46 मिनट देरी से रवाना हुई। एक और पैसेंजर ट्रेन भी विलंबित रही, जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कुछ यात्री तो ट्रेन की जगह सड़क मार्ग से कोटद्वार के लिए रवाना हो गए। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि चालक की तबीयत में अब सुधार है और घटना की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

दो मुंह-तीन आंख... गाय ने अजीब बछड़े को दिया जन्म, लोग बोले- 'ये चमत्कार है'

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत के टिकरी कस्बे में एक गाय ने दो मुंह और तीन आंख वाले बछड़े को जन्म दिया है। उसके दोनों मुंह एक साथ जुड़े हुए हैं। जैसे ही इस बछड़े के बारे में इलाके के लोगों को पता चला तो इस अजीब तरह के बछड़े को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ गई। लोग इसे देखने के पहुंच रहे हैं। कुछ लोग इस तरह से जन्म लेने को चमत्कार मान रहे हैं।

ये मामला बागपत के कस्बा टिकरी की दाबड़ा पट्टी से सामने आया है। यहां रहने वाले पशुपालक जाहिद के यहां एक गाय ने इस बछड़े को जन्म दिया। जाहिद काफी लंबे समय से गाय पालते आ रहे हैं। गुरुवार की सुबह उनकी एक गाय ने एक ऐसे बछड़े को जन्म दिया, जिसे देखकर सभी लोग हैरान रह गए। गाय के इस बछड़े के दो मुंह और तीन आंखें हैं, यह खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई।

'यह कुदरत का करिश्मा है'

गाय के इस अजीब बछड़े को देखने के लिए भारी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ रही है। कुछ लोगों को कहना है कि इस कलयुग में यह ईश्वर का एक अनोखा चमत्कार है, जो ऐसा देखने को मिल रहा है। ऐसी घटनाएं कम ही होती हैं। वहीं मुस्लिम गोपालक जाहिद का कहना है कि यह कुदरत का करिश्मा है। गाय और बछड़ा पूरी तरह से स्वस्थ हैं।इस तरह के बछड़े कम ही जीवित रहते हैं। इसलिए जाहिद ने पशु चिकित्सक को वहीं बुलाया हुआ है ताकि वह इस बछड़े के स्वास्थ्य पर नजर रख सकें।

लोगों की उमड़ रही भीड़

वहीं पशु चिकित्सक ने बताया कि भ्रूण के दौरान अतिरिक्त कोशिकाओं के विकसित होने से ऐसे बछड़े का जन्म होता है। जानवरों और मनुष्य दोनों में कभी-कभी ऐसा देखने को मिलता है। इस तरह के बच्चों की उम्र ज्यादा नहीं होती। एक जानवर के दो सिर के साथ पैदा होने की घटना को बाइसेफली कहा जाता है। अब गाय के तीन आंख और दो मुंह के बछड़े को देखने के लिए लोगों का तांता लगा है, जबकि कुछ ग्रामीण तो बछड़े की पूजा भी कर रहे है। वह बछड़े के सामने हाथ जोड़कर बैठे हैं और पैसे भी चढ़ा रहे हैं।

इंटर पास बाबू को बना दिया सब रजिस्ट्रार... यूपी में सब रजिस्ट्रार और बाबुओं के ट्रांसफर रद्द, जांच के आदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने स्टांप व पंजीयन विभाग में हुए 200 तबादलों को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इन सभी नियुक्तियों को "शून्य सत्र" घोषित कर दिया गया है। इस पूरे मामले में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिसके बाद मंत्री रविंद्र जायसवाल ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विभाग के आईजी स्टांप एवं पंजीयन समीर वर्मा (IAS) के खिलाफ जांच के आदेश दे दिए हैं। आदेश के तहत 87 उपनिबंधकों और 114 कनिष्ठ सहायकों के तबादले रद्द किए गए हैं। आरोप हैं कि सभी 200 पदों पर ट्रांसफर और नियुक्तियों में करोड़ों रुपए लिए गए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। जांच शुरू होने के बाद समीर वर्मा और अन्य संबंधित अधिकारियों की भूमिका की गहन पड़ताल की जाएगी।

बारिश से गिरा कच्चा मकान... मलबे में दबा परिवार, ऐसे बची जान

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में बुधवार देर रात आंवला क्षेत्र में तेज बारिश के दौरान एक कच्चा मकान अचानक भरभरा कर गिर गया। हादसा इतना भयानक था कि पूरे घर का परिवार मलबे में दब गया। ग्रामीणों और पुलिस की मदद से आठों घायलों को बाहर निकाला गया। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गनीमत है कि सभी की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है। सभी का इलाज चल रहा है।

दरअसल, बरेली के रामनगर चौकी क्षेत्र के गांव भीमलौर में बुधवार रात करीब 12 बजे गांव के रहने वाले चंद्रपाल (50 वर्ष) अपने परिवार के साथ अपने पुराने कच्चे मकान में सो रहे थे। इसी दौरान तेज बारिश के कारण अचानक मकान गिर गया, जिससे पूरा परिवार मलबे में दब

गया। चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और बचाव में जुट गए। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और एंबुलेंस भी मौके पर पहुंची।

घायलों में बच्चे भी शामिल

ग्रामीणों और पुलिस ने सभी घायलों को बाहर निकाला और प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बरेली के जिला अस्पताल भेजा गया, जहां सभी का इलाज चल है। घायलों में भोजराम पुत्र ढाकनलाल (55 वर्ष), चंद्रपाल पुत्र ढाकनलाल (50 वर्ष), सुनीता पत्नी चंद्रपाल (45 वर्ष), रवि पुत्र चंद्रपाल (15 वर्ष), बलवीर पुत्र चंद्रपाल (10 वर्ष) मंजू पुत्री चंद्रपाल (9 वर्ष), ज्योति पुत्री चंद्रपाल (8 वर्ष) और संजीव पुत्र चंद्रपाल (2 वर्ष) शामिल हैं।

ग्रामीणों की तत्परता और पुलिस की मदद से बची जानें

घायलों में सबसे छोटे बच्चे की उम्र महज 2 साल है, जिसे सिर पर चोट आई है। डॉक्टरों की मानें तो फिलहाल सभी की स्थिति सामान्य है। सभी का इलाज किया जा रहा है। घटना के तुरंत बाद गांव के लोगों ने बिना देर किए मलबा हटाना शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने मोबाइल की रोशनी में काम किया। सूचना मिलते ही पुलिस और मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंची और राहत कार्य तेज किया गया। वहीं सीओ आंवला नितिन कुमार ने बताया कि यदि बचाव कार्य में थोड़ी भी देरी होती, तो जनहानि हो सकती थी। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया गया है।

अब बेघर हुआ परिवार, प्रशासन से मदद की उम्मीद

हादसे के बाद चंद्रपाल का पूरा परिवार बेघर हो गया है। फिलहाल वे गांव में ही एक रिश्तेदार के घर पर ठहरे हुए हैं। गांव के लोगों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मुआवजे और पुनर्निर्माण सहायता की मांग की है। साथ ही, गांव में और भी कई कच्चे और जर्जर मकानों की हालत खराब बताई जा रही है। जो भविष्य में खतरा बन सकते हैं।

गौशाला में चारा काटने की मशीन में फंसकर कटा हाथ, जिला अस्पताल रेफर

आर्यावर्त संवाददाता

निघासन-खीरी। नगर पंचायत में बनी कान्हा गौशाला में गुरुवार को मजदूर का हाथ चारा कटाने वाली मशीन में फंस गया।जिससे वह गंभीर घायल हो गया।हालांकि मौके पर पहुंचे ईओ दिनेश शुक्ल चेयरमैन बद्री प्रसाद मौर्य ने तुरंत ही निघासन सीएचसी लेकर पहुंचे।डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला मुख्यालय रेफर कर दिया।इस बाबत दिनेश शुक्ल ने बताया मजदूर के साथ हादसा हुआ है।उसके इलाज के लिए हम सभी योगदान करेंगे।फिलहाल बेहतर इलाज कराया जाएगा।

कान्हा गौशाला में आश्रित गायों के लिए चारा काट रहे श्री राम उम्र 27वर्ष निवासी टापरपुरवा बायां हाथ चारा मशीन में फंस गया।जैसे ही मशीन काबू होती कि मजदूर का हाथ पूरी तरह से धड़ से अलग हो गया।घटना की जानकारी मिलते ही नगर पंचायत कार्यालय से ईओ समेत चेयरमैन गौशाला पहुंचे वहां से घायल मजदूर को सीएचसी लेकर आए।डाक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला मुख्यालय रेफर कर दिया।इस बाबत दिनेश शुक्ल ने बताया मजदूर के साथ हादसा हुआ है।उसके इलाज के लिए हम सभी योगदान करेंगे।फिलहाल बेहतर इलाज कराया जाएगा।

घर बेचकर बेटे को लंदन में पढ़ाया... उसने बुढ़ापे में अकेला छोड़ा, वृद्धाश्रम में जीवन काट रहे पिता

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बुढ़ापे की लाठी बेहद महत्वपूर्ण होती है। इसके छिनने से मनुष्य को गहरा आघात पहुंचता है। इससे भी गहरा आघात तब होता है, जब यह लाठी खुद ही मुंह मोड़ ले। बरेली के राजेंद्रनगर निवासी 75 साल के एक बुजुर्ग बीते दस साल से इस दर्द को सह रहे हैं। उनका बुढ़ापा लाल फाटक स्थित एक वृद्धाश्रम में कट रहा है। इसका कारण कि बेटे को ऑक्सफोर्ड में पढ़ाने के लिए उन्होंने अपनी जीवनभर की कमाई दांव पर लगा दी। घर भी बेच दिया। बेटा एक बार लंदन गया तो फिर पलटकर नहीं देखा। वहीं अपनी दुनिया बसा ली। बूढ़े पिता अब 10 साल से वृद्धाश्रम में बेटे का इंतजार कर रहे हैं।

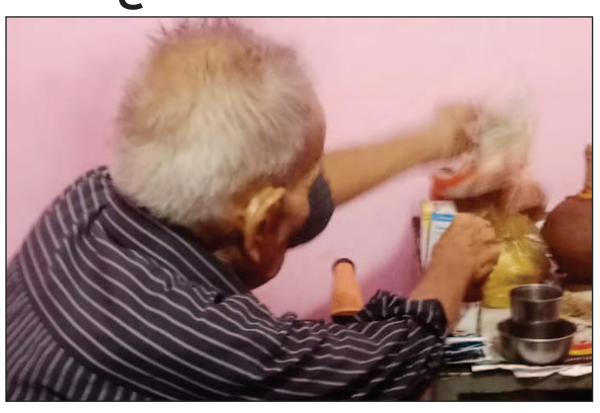

वृद्धाश्रम में जीवन बिता रहे बुजुर्ग ने बताया कि शुरुआती दौर में वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर रहे। दिल्ली की एक बड़ी आईटी कंपनी में सेवाएं दीं। कॅरिअर के शिखर पर रहते हुए इकलौते बेटे को भी अच्छी शिक्षा दिलाई। बेटे ने लंदन स्थित आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से मास्टर्स करने की इच्छा जाहिर की तो उन्होंने अपना घर बेच दिया। बेटे ने वहां पढ़ाई पूरी कर नौकरी शुरू कर दी। वहीं शादी भी कर ली। उसके बच्चे भी हैं। शुरुआत में कभी-कभार उसकी फोन कॉल आती रही। अब यह सिलसिला भी बंद हो गया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 में पत्नी भी उनका साथ छोड़ गईं। अब वह बिल्कुल अकेले हैं। वृद्धाश्रम की सीढ़ियों पर बैठकर वह बेटे का इंतजार करते हैं। रुंधे गले से बुजुर्ग ने बताया कि अंतिम बार जब बेटे से बात हुई थी तो उसने कहा था कि आप वहां नहीं रह पाएंगे। यह कहकर उनको वृद्धाश्रम भिजवा दिया। उस समय वृद्धाश्रम का नंबर भी ले गया था, लेकिन कभी उसकी कॉल नहीं आई। मन में हमेशा एक टीस रहती है कि कभी कोई तो हालचाल पूछने आ जाए।

निहारते रहते हैं बेटे की तस्वीर

वृद्धाश्रम के संचालक गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि बुजुर्ग दिन-रात बेटे की तस्वीर और पुराने खतों को निहारते रहते हैं। उनकी आंखों में हमेशा बेटे का इंतजार रहता है। वह न तो ज्यादा बात करते हैं, न ही कुछ बताना चाहते हैं। वृद्धाश्रम की चहारदीवारी में ऐसी कई कहानियां मौजूद हैं, जो समाज को यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि आधुनिकता की दौड़ में संवेदनाएं और रिश्तों की गर्माहट कहीं खो गई है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर चल रही विकास कार्यों के योजनाओं के रैंकिंग की डीएम ने की समीक्षा बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में चल रही विकास कार्यक्रमों के योजनाओं के रैंकिंग की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभागवार योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने एनआरएलएम विभाग, जल निगम विभाग, फैमिली आईडी, पंचायत विभाग, विद्युत विभाग, पर्यटन विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, समाज कल्याण विभाग, प्रोवेशन विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, सिंचाई विभाग आदि विभागों की समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों से सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रहे एनआरएलएम विभाग, पंचायती राज विभाग, जलजीवन मिशन, पीडब्ल्यूडी विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान तथा पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि कार्यों का शत-प्रतिशत कार्य करते हुए फीडिंग कराकर रैंकिंग में सुधार लायें अन्यथा विभागीय कार्यवाही के लिए तैयार रहें। समीक्षा बैठक के दौरान सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लोग अपने-अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों/ योजनाओं की बराबर समीक्षा करते रहें, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों से कहा है कि निरंतर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहें और अपने विभागों के योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें, निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करें।

सराय काले खां से मेरठ तक... आखिर कब दौड़ेगी नमो भारत ट्रेन?

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। दिल्ली-मेरठ के बीच नमो भारत ट्रेन के चलने का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। ट्रेन के सफलतापूर्वक ट्रायल के बाद अब इसे ट्रैक पर आम पब्लिक के लिए दौड़ाने की तैयारी है। यानी, नमो भारत ट्रेन सराय काले खां से मेरठ के बीच जल्द ही चलने वाली है। हाल ही में आई खबरों के अनुसार, जून के अंत तक स्टेशन और रूट का काम पूरा हो जाएगा और जुलाई से इस रूट पर ट्रेन चलने की संभावना है। यह ट्रेन दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर की दूरी महज 45 मिनट में तय करेगी।

ट्रेन संचालन के लिए एनसीआरटीसी (नेशनल कैपिटल रीजनल ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन) ने काम शुरू कर दिया है। न्यू अशोकनगर से सराय काले खां तक के रूट के लिए निरीक्षण हो गया है। जून के अंतिम सप्ताह में मेरठ तक के रूट के लिए भी निरीक्षण का काम पूरा हो जाएगा।

जल्द ही पूरे रूट पर दौड़ेगी ट्रेन

जानकारी के मुताबि, पूरे रूट पर जुलाई से ट्रेन को चलाने की तैयारी है। इसी के साथ, नमो भारत का पहला रूट जून के अंत तक पूरी तरह संचालन के लिए तैयार हो जाएगा। इस रूट पर 82 किलोमीटर लंबे ट्रैक पर सराय काले खां से मोदीपुरम तक ट्रेनों का संचालन होगा।

स्टेशन का कार्य अंतिम चरण में

अभी दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ के बीच 55 किलोमीटर के ट्रैक पर ट्रेन का संचालन हो रहा है। बचे हुए करीब 27 किलोमीटर के ट्रैक को संचालन के लिए तैयार कर लिया गया है। स्टेशनों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। सूत्रों के मुताबिक जुलाई में पूरे रूट पर ट्रेन का संचालन शुरू हो सकता है। बता दें कि अभी नमो भारत से प्रतिदिन लागभग 50 हजार से ज्यादा यात्री सफर कर रहे हैं।

काले खां सबसे बड़ा स्टेशन

सराय काले खां स्टेशन पर काम अंतिम चरण में है। नमो भारत को पूरे रूट पर दौड़ाने के लिए टेस्टिंग और इंस्पेक्शन का काम सफलतापूर्वक चल रहा है। स्टेशन को रेल, बस अड्डे और मेट्रो के साथ-साथ रिंग रोड से जोड़ने का काम एक महीने में पूरा कर लिया जाने का अनुमान है। सराय काले खां नमो भारत का सबसे बड़ा स्टेशन होगा। यहां दिल्ली-मेरठ के साथ-साथ दिल्ली-करनाल और दिल्ली-गुरुग्राम एसएनबी वाली ट्रेनों का संचालन भी होगा। यात्री संख्या के अनुमान के हिसाब से ही यहां सबसे बड़ा स्टेशन डिजाइन किया गया है।

जनता को क्या होगा फायदा?

नमो भारत ट्रेन सराय काले खां से मेरठ के बीच जल्द ही चलने वाली है। इस ट्रेन के चलने से दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर की दूरी महज 45 मिनट में तय कर ली जायेगी। समय के बचत के साथ आम किराये में दिल्ली से मेरठ तक कि यात्रा तय की जा सकेगी। एक बार में 600-700 तक यात्री यात्रा कर पायेंगे और ट्रेन हर 15 मिनट पर उपलब्ध होगी।

दुधमुंहे बच्चे का सहारा लेकर महिला से किया दुष्कर्म... पुलिस ने मुठभेड़ के बाद किया गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

श्रावस्ती। श्रावस्ती जिले के सिरसिया के फटवा में ऑटो से उतर कर मंगलवार शाम मायके जा रही महिला को बाइक सवार ने जंगल में रोक लिया। इस दौरान महिला के दुधमुंहे बच्चे को छीनकर पटक कर मारने की धमकी देते हुए महिला से दुष्कर्म किया। महिला की तहरीर पर सिरसिया पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया।

इस दौरान जहां आरोपी के पैर में गोली लगी वहीं दीवान को भी चोट आई। उसके कब्जे से पुलिस ने बाइक, तमंचा, कारतूस व मोबाइल बरामद किया। एसपी घनश्याम चौरसिया के अनुसार सिरसिया क्षेत्र के एक गांव निवासी 25 वर्षीय युवती मंगलवार को अपने एक वर्षीय बच्चे को गोद में लेकर मायके जा रही थी।

इस दौरान वह भिनगा सिरसिया मार्ग स्थित फटवा के निकट ऑटो से उतर कर पैदल जंगल रास्ते जा रही थी।

इस दौरान नहर पुल पर मौजूद थाना क्षेत्र के गुलरा निवासी अनीश पुत्र छोट्टन ने बाइक से उसका पीछा किया। जैसे ही युवती जंगल में सूनसान स्थान पर पहुंची तभी अनीश ने बाइक रोक कर युवती से उसके दुधमुंहे बच्चे को छीन लिया। इसके बाद आरोपी ने युवती से शारीरिक संबंध बनाने अन्यथा बच्चे को पटक कर मार डालने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने युवती से दुष्कर्म किया।

महिला की तहरीर पर सिरसिया पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। बुधवार देर रात आरोपी बाइक से नेपाल भागने की फिराक में था। उसे थानाध्यक्ष सिरसिया शैलकांत उपाध्याय व एसओजी टीम प्रभारी नितिन यादव ने टीम के साथ छोटकी सुइया गुलरा मार्ग पर घेर लिया। इस दौरान हुई मुठभेड़ में जहां मुख्य आरक्षी भोला सिंह गिर कर घायल हो गए। वहीं, पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घायल अनीश के कब्जे से पुलिस ने बाइक, 315 बोर तमंचा, कारतूस, मोबाइल व 1050 रुपये बरामद किया। गिरफ्तार आरोपी को संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया गया। वहां से इलाज के बाद आरोपी को जेल भेजा गया।

लोगों को हैं टूथपेस्ट से जुड़े ये 5 आम भ्रम, जानिए इन सभी की सच्चाई

दांतों को स्वस्थ और सफेद बनने के लिए टूथपेस्ट इस्तेमाल किया जाता है, जिसको लेकर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचिलित हैं। कई लोग मानते हैं कि केवल महंगे टूथपेस्ट ही कारगर होते हैं या ज्यादा मात्रा में इसे लगाने से ही फायदा होता है। हालांकि, इनमें से ज्यादातर बातें मिटक साबित होती हैं।

आइए आज हम मिलकर टूथपेस्ट से जुड़े कुछ आम भ्रमों पर चर्चा करते हैं और उनकी सच्चाई जानते हैं।

महंगा टूथपेस्ट ही होता है बेहतर

कई लोग मानते हैं कि महंगा टूथपेस्ट हमेशा बेहतर होता है और यह दांतों को ज्यादा सफेद बनाता है। हालांकि, सच्चाई यह है कि महंगे ब्रांड हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले नहीं होते।

कई बार सस्ते ब्रांड भी अच्छे परिणाम देते हैं। इसलिए कीमत देखकर ही चयन नहीं करना चाहिए। गुणवत्ता और असर को ध्यान में रखते हुए ही टूथपेस्ट चुनना चाहिए।

इससे आपको सही जानकारी मिल सकेगी कि कौन-सा टूथपेस्ट आपके लिए बेहतर है।

बच्चों के लिए होता है फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट

फ्लोराइड वाले टूथपेस्ट को लेकर भी कई भ्रम फैले हुए हैं। कुछ लोग मानते हैं कि फ्लोराइड केवल बच्चों के लिए जरूरी होता है और बड़ों को इसकी जरूरत नहीं होती।

सच्चाई यह है कि फ्लोराइड दांतों की सुरक्षा के लिए अहम होता है, चाहे उम्र कोई भी हो। यह दांतों को कीड़ों से बचाने में मदद करता है और उन्हें मजबूत बनाता है।

इसलिए फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट का उपयोग करना फायदेमंद होता है।

सफेद फोम वाला टूथपेस्ट होता है ज्यादा असरदार

बहुत से लोग मानते हैं कि जितना ज्यादा फोम, उतने सफेद दांत। हालांकि, असलियत में फोम सिर्फ सफाई करने में मदद करता है और सफेदी से इसका कोई संबंध नहीं होता है।

इसलिए फोम देखकर ही टूथपेस्ट का चयन नहीं करना चाहिए। इसके बजाय उसकी गुणवत्ता और असर पर ध्यान देना चाहिए, ताकि आपको सही जानकारी मिल सके और आप चमकदार दांत पा सकें।

इससे आप सही तरीके से अपने दांतों की देखभाल कर सकते हैं।

टूथपेस्ट का रंग होता है अहम

कई लोग सोचते हैं कि गहरे रंग वाले टूथपेस्ट ज्यादा असरदार होते हैं, जबकि असलियत में रंग का सफेदी से कोई संबंध नहीं होता।

सफेद या नीले रंग का टूथपेस्ट भी उतना ही अच्छा काम करता है, जितना कि गहरे रंग वाला। इसलिए रंग देखकर ही चयन करना सही निर्णय नहीं होता है।

इसके बजाय टूथपेस्ट गुणवत्ता और असर पर ध्यान देना चाहिए और खुद इस्तेमाल करके जांच भी करनी चाहिए।

ज्यादा क्रीम वाला टूथपेस्ट ही होता है अच्छा

यह भी एक आम धारणा है कि ज्यादा क्रीम वाला टूथपेस्ट ज्यादा अच्छा होता है, जबकि असलियत में ऐसा नहीं होता।

ज्यादा क्रीम वाला टूथपेस्ट कभी-कभी दांतों की संवेदनशीलता बढ़ा सकता है और उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए ज्यादा क्रीम वाला टूथपेस्ट चुनते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

इन भ्रमों को समझकर हम अपने दांतों की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं और सही जानकारी के आधार पर निर्णय ले सकते हैं।

जुलाई में घूम आएं पांच में से सिर्फ एक जगह, मिलेगा सुकून और फुल पैसा वसूल एडवेंचर

यहां आपको मानसून में घूमने के लिए भारत की ऐसी जगहों के बारे में बताया जा रहा है जो सफर के लिए बेस्ट विकल्प हैं। यहां आपकी सफर को लेकर सभी इच्छाएं यानी खूबसूरत नजारे, ठंडा मौसम, एडवेंचर और सुकून सब एक साथ मिल जाएगा और पैसा भी व्यर्थ नहीं जाएगा।

बरसात इस उमस भरी गर्मी से राहत ही नहीं पहुंचाती, बल्कि प्रकृति की खूबसूरती को कई गुणा बढ़ा देती है। बारिश की बूंदे जब धरती की हरियाली पर पड़ती हैं तो भारत की कई जगहें जन्नत जैसी लगने लगती हैं। जुलाई का महीना सफर के शौकीन लोगों के लिए खास होता है। यह महीना मानसून का होता है, जिसमें बरसात की हल्की फुंहार आपको भिगा भी सकती हैं और गर्मी से कुछ राहत भी दिला सकती हैं। गर्मी के कारण अब तक कहीं घूमने नहीं जा पाए हैं तो मानसून में सफर की योजना बना सकते हैं।

अगर पर जुलाई के महीने में किसी ऐसी जगह पर जाना चाहते हैं जहां खूबसूरत नजारे, ठंडी हवा, एडवेंचर और सुकून भरी छुट्टियां मिल सकें तो ये लेख आपके काम आ सकता है। यहां आपको मानसून में घूमने के लिए भारत की ऐसी जगहों के बारे में बताया जा रहा है जो सफर के लिए बेस्ट विकल्प हैं। यहां आपकी सफर को लेकर सभी इच्छाएं यानी खूबसूरत नजारे, ठंडा मौसम, एडवेंचर और सुकून सब एक साथ मिल जाएगा और पैसा भी व्यर्थ नहीं जाएगा।

माउंट आबू, राजस्थान

रेगिस्तान में हरियाली का जादू देखना चाहते हैं तो राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू जाएं। जुलाई के महीने में माउंट आबू की हरियाली और ठंडा मौसम इसे काफी आकर्षक और पर्यटकों की पसंदीदा जगह बना देता है। यहां नक्की झील में नौकाविहार का लुत्फ उठाएं। गुरु शिखर से आश्चर्यजनक नजारे देखें और दिलवाड़ा मंदिरों की सुंदरता को निहारें। माउंट आबू आपको ट्रेकिंग, बोटिंग और फोटोग्राफी की बेहतरीन मौका देता है। शाम के वक्त यहां झील किनारे बैठकर आप मानसून के आनंद का अनुभव ले सकते हैं।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

स्ट्रॉबेरी वादियों में भीगते ट्रेल्स का नजारा आपको महाबलेश्वर आने के लिए मजबूर कर देगा। महाराष्ट्र में सह्याद्रि की पहाड़ियों में बसा महाबलेश्वर मानसून में हरियाली और बादलों से घिरा रहता है। यहां की घाटियां, वॉटरफॉल्स और व्यू पॉइंट्स मन मोह लेते हैं। सफर के दौरान प्रतापगढ़ किले की ट्रेकिंग, वेन्ना लेक की सवारी और लिंगमाला झरने में बारिश में नहाना मजेदार अनुभव प्रदान करेगा।

चेरापूंजी, मेघालय

भारत की सबसे ज्यादा बारिश वाली जगहों में से एक चेरापूंजी की खूबसूरती जुलाई में अपने चरम पर होती है। मेघालय के इस खूबसूरत स्थल पर बारिश भी अद्भुत बन जाती है। यहां के लिविंग रूट ब्रिज, गुफाएं और झरने सफर में रोमांच भर देते हैं। चेरापुंजी के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में नोहकलिकाई झरना और उमशियांग रूट ब्रिज शामिल है, जहां यात्रा के दौरान जरूर जाए और बारिश में जीवंत जंगल के बीच ट्रेकिंग का अनुभव भी प्राप्त करें।

स्पीति वैली, हिमाचल

जुलाई में जब बर्फ पिघल चुकी होती है, तब हिमाचल प्रदेश की स्पीति वैली एक नए रूप में दिखती है। यहां की लामा संस्कृति, मठ और रोड ट्रिप एडवेंचर से भरपूर हैं। शांति, रोमांच और सुकून पाने की इच्छा है तो जुलाई में स्पीति वैली घूमने आएं। स्पीति वैली में मठ और चंद्रताल झील कैंपिंग काफी लोकप्रिय है। आप मोटरसाइकिल ट्रिप या एसयूवी से घाटियों में ड्राइव पर जा सकते हैं।

वायनाड, केरल

मानसून का सुंदर नजारा हरियाली के बीच ज्यादा देखने को मिलता है। हरी-भरी मसालों की घाटी की सैर के लिए केरल के वायनाड की यात्रा पर जाएं। केरल की यह जगह मानसून में एक सपनों की दुनिया जैसी लगती है। वायनाड की कॉफी एस्टेट्स, वॉटरफॉल्स और ट्रेक्स मानसून को जादुई बना देते हैं। यहां घूमने के लिए कई शानदार जगहे हैं, जैसे एडक्कल गुफाएं और मीनमुट्टी वॉटरफॉल। कॉफी बागानों में बारिश का आनंद फुल पैसा वसूल अनुभव दे सकता है।

आम को इन 5 तरीकों से करें स्टोर, लंबे समय तक नहीं होंगे खराब

गर्मियों के मौसम में आम खूब खाया जाता है। ये बड़ों से लेकर बच्चों तक को पसंद होता है। भारत में आम की 1500 से भी ज्यादा वैरायटी हैं। हालांकि, आम बस 3-4 महीने ही खाने को मिल पाता है। ऐसे में लोग सोचते हैं कि आम को कुछ दिन के लिए स्टोर कर लें ताकि बाद में भी इनका मजा लिया जा सकें। अगर आप भी आम स्टोर करना चाहते हैं तो हम आपको बताते हैं कि आम को किस तरह स्टोर करना है ताकि वो खराब न हों।

गर्मियों का मौसम आते ही हर किसी की जुबां पर एक ही नाम होता है आम। लेकिन एक परेशानी जो हर साल सामने आती है, वो है आमों का जल्दी खराब हो जाना। कई बार हम बाजार से ज्यादा आम खरीद लेते हैं या पेड़ से ढेर सारे आम एक साथ पक जाते हैं। ऐसे में अगर उन्हें सही तरीके से स्टोर न किया जाए, तो कुछ ही दिनों में वे सड़ने लगते हैं, पानी छोड़ने लगते हैं या फिर खट्टे हो जाते हैं। इससे न सिर्फ पैसे की बर्बादी होती है, बल्कि स्वाद का भी नुकसान होता है।

तो अगर आप भी चाहते हैं कि आपके खरीदे या घर में आए आम लंबे समय तक ताजे बने रहें, तो जरूरी है कि उन्हें सही तरीके से स्टोर किया जाए। आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे 5 ऐसे आसान और असरदार तरीके, जिनसे आप आम को लंबे समय तक सुरक्षित और स्वादिष्ट बनाए रख सकते हैं।

कच्चे और पके आमों को अलग-अलग रखें

कभी भी कच्चे और पके आमों को एक साथ स्टोर न करें। पके आमों से निकलने वाली गैस कच्चे आमों को जल्दी पकने पर मजबूर कर देती है, जिससे वे जल्दी खराब हो सकते हैं। कच्चे आम को पेपर या अखबार में लपेटकर अलग रखें।

अखबार या सूती कपड़े में लपेटकर रखें

आमों को सीधा प्लास्टिक की थैली में रखने से उनमें नमी बनी रहती है और वे जल्दी गल सकते हैं। इसके बजाय उन्हें अखबार या सूती कपड़े में लपेटकर रखें। यह तरीका आमों को सूखा और ताजा बनाए रखने में मदद करता है और उन्हें लंबे समय तक फ्रेश भी रखता है।

फ्रिज में स्टोर करें (पके हुए आमों के लिए)

अगर आम पूरी तरह पक चुके हैं और आप उन्हें अगले कुछ दिनों तक खाना चाहते हैं, तो उन्हें फ्रिज में रखें। फ्रिज में रखने से उनकी शेल्फ लाइफ 45 दिन तक बढ़ जाती है। ध्यान रखें कि आमों को एक एयरटाइट डिब्बे में रखें ताकि वे सूखे न पड़ें।

आम का पल्प निकालकर स्टोर करें

अगर बहुत सारे पके हुए आम हैं और आप सोच रहे हैं कि बाद में उपयोग करेंगे, तो उनका गूदा (पल्प) निकालकर फ्रीजर में स्टोर करें। या आप आम को काट कर उनके पीस को भी डीप फ्रीज कर सकते हैं। इससे आप साल भर आम की चटनी, आमरस, या शेक बना सकते हैं। एयरटाइट कंटेनर या जिप लॉक बैग का इस्तेमाल करें।

ठंडी और सूखी जगह पर रखें

आम को बहुत ज्यादा नमी या गर्मी वाली जगह पर रखने से वे जल्दी गलने लगते हैं। हमेशा कोशिश करें कि आमों को ऐसी जगह रखें जहां हवा ठीक से आती हो और तापमान सामान्य या थोड़ा ठंडा हो।

यदि आपके पैर भी भीगने की वजह से रूखे हो रहे हैं तो कुछ घरेलू नुस्खे आजमाकर इस परेशानी से निजात पाएं।

डॉक्टर भी देते हैं यही सलाह! बारिश में पैरों को रूखा होने से बचाएंगे ये आसान घरेलू नुस्खे

बारिश का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में पैरों का भीगना काफी आम बात है। दरअसल, बारिश में जगह-जगह पर पानी भर जाता है, ऐसे में हम सभी कितना भी बच लें, लेकिन पैर तो भीगते ही हैं। बारिश के गंदे पानी में भीगने की वजह से पैरों की ड्राईनेस बढ़ती जाती है।अगर इनका ध्यान सही समय पर न रखा जाए तो एड़ियां फटने लगती हैं और नाखूनों के न्यूटिकल्स वीक हो जाते हैं। ऐसे में हम आपको बताएंगे कि आप इस मौसम में अपने पैरों का ध्यान किस तरह से रखें। पैरों का सही से ध्यान रखकर आप इन्हें रूखे होने से बचा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ कुछ घरेलू नुस्खे आजमाने हैं।

नारियल के तेल की मालिश आएगी काम

हर भारतीय घर में नारियल का तेल तो होता ही है। अगर नहीं है तो इसे खरीदकर रख लें। ये रूखी त्वचा को मॉइश्चराइज करता है और एंटीबैक्टीरियल गुण भी देता है। इसलिए यदि आपके पैर रूखे हो रहे हैं तो आप नारियल के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए हर रोज रात को सोने से पहले पैरों में नारियल के तेल से मसाज करें। इसके बाद ऐसे ही सो जाएं। एक हफ्ते में आपको इसका असर दिखने लगेगा।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा जेल त्वचा संबंधी तकरीबन हर दिक्कत को दूर करने का काम करता है। ऐसे में इसका इस्तेमाल आप पैरों के रूखेपन को दूर करने के लिए भी कर सकते हैं। इस्तेमाल के लिए सबसे पहले ताजा एलोवेरा जेल निकालकर या बाजार से शुद्ध जेल लेकर पैरों पर लगाएं। ध्यान रखें कि ये केमिकल वाला न हो, वरना दिक्कत हो सकती है। अब चाहें तो इसे 15-20 मिनट बाद धो लें या रात भर के लिए लगा रहने दें। इसका असर भी आपको जल्दी ही दिखने लगेगा।

शहद लगाएं

शहद भले ही खाने की चीज है, लेकिन इसकके इस्तेमाल से त्वचा का रूखापन दूर होता है। ऐसे में आप रात को पहले पैरों को अच्छी तरह से धोएं। इसके बाद अपने पैरों में शहद की एक पतली लेयर अप्लाई करें। कुछ देर इसे ऐसे ही लगा रहने दें और फिर बालों को धो लें, इससे भी आपके पैरों का रूखापन खत्म हो जाएगा।

मॉइस्चराइजर

बाजार में अब पैरो के लिए खास मॉइस्चराइजर भी आने लगे हैं, जिसका इस्तेमाल आप दिन में दो बार आसानी से कर सकते हैं। अब जब आपके पैर सूख रहे हैं तो दिन में जितनी बार पैर धोएं, उतनी ही बार पैरों में मॉइस्चराइजर अप्लाई करें। इससे भी आपके पैर अपने आप नरम होने लगेंगे।

इन बातों का रखें ध्यान

यदि आप नहीं चाहते है कि आपके पैर रूखे हों, तो इससे बचने के लिए हर 15 दिन में पेडिक्योर करा लें। इससे भी आपके पैरों की डेड स्किन निकल जाएगी और पैरों का रूखापन अपने आप ही कम हो जाएगा।

क्या हर गाड़ी वाला बनवा पाएगा 3 हजार रुपये का सालाना टोल पास? जानें क्या है नियम

आज केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी ने फास्टैग का एनअल पास जारी करने की घोषणा कर दी। ऐसे में क्या आप इस पास को बनवा पाएंगे या नहीं?

जब भी बात किसी सफर पर जाने की होती है तो लोग अलग-अलग वाहनों से सफर करते हैं। कोई ट्रेन से तो कोई प्लेन से और कई लोग तो अपनी गाड़ी से ही यात्रा पर निकल जाते हैं। हालांकि, अगर आप अपनी कार से या टैक्सी आदि से सड़क मार्ग से सफर करते हैं तो आपको टोल टैक्स देना होता है।

जहां पहले टोल टैक्स आप कैश देकर कटवा सकते थे, तो वहीं पिछले कुछ वर्षों से फास्टैग को अनिवार्य कर दिया गया और इसी से अब टोल कट जाता है। इस बीच आज केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी ने फास्टैग एनुअल पास जारी करने का एलान किया है, लेकिन क्या इसका लाभ आप ले पाएंगे? तो चलिए जानते हैं ये एनुअल पास क्या है और कौन लोग इसका लाभ ले पाएंगे। अगली स्लाइड्स में आप इस बारे में जा सकते हैं...

क्या है एनुअल फास्टैग पास?

दरअसल, आज यानी 18 जून 2025 को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी ने सोशल मीडिया एक्स के जरिए एनुअल फास्टैग पास का एलान किया। ये पास 3 हजार रुपये में जारी किया जाएगा और इससे 1 वर्ष या 200 यात्राओं में से जो पहले पूरा होगा, तब तक ये वैलिड रहेगा। इसमें एक टोल पार करने को एक यात्रा गिना जाएगा।

कब से बनवा सकेंगे ये पास?

अगर आप भी इस एनुअल फास्टैग पास को बनवाना चाहते हैं तो जान लें कि आप इसे 15 अगस्त 2025 से बनवा पाएंगे। इसके बाबत नितिन गड़करी ने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा '3 हजार रुपये की कीमत वाला एनुअल फास्टैग पास 15 अगस्त 2025 से शुरू किया जा रहा है।'

कैसे बनवा पाएंगे ये पास?

अगर आप भी इस पास को बनवाना चाहते हैं तो आप इस एनुअल फास्टैग पास को NHAI/MORTH की आधिकारिक वेबसाइट्स से बनवा पाएंगे। इसके लिए यहां पर अलग से एक लिंक दिया जाएगा, जहां पर आप क्लिक करके ऑनलाइन तरीके से ये पास बनवा सकते हैं। एक बार खत्म होने के बाद इस पास को दोबारा रिन्यू भी करवाया जा सकेगा।

कौन लगवा पाएगा अपनी गाड़ी में?

अगर आप भी ये जानना चाह रहे हैं कि आखिर इस 3 हजार रुपये के सालाना फास्टैग पास को कौन बनवा पाएगा, तो इसका लाभ सिर्फ गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों को ही शामिल किया गया है। इसमें कार, जीप, वैन आदि शामिल हैं। ऐसे में इस पास को व्यवसायिक वाहन वाले लोग नहीं बनवा पाएंगे। आसान भाषा में इसे ऐसे समझिए कि कर्मिशियल गाड़ी वाले जैसे, बस, टैक्सी आदि वाले इस पास को नहीं बनवा पाएंगे और जिनकी गाड़ी प्राइवेट नंबर है वो ये एनुअल फास्टैग पास बनवा सकेंगे।

मलेशिया की मदद से पतंजलि खत्म करेगा खाने के तेल की महंगाई, ये रहा मास्टर प्लान

देश की बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में शुमार पतंजलि देश में खाने के तेल की महंगाई कम करने का मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। इसके लिए पतंजलि ने मलेशिया के काम कर रही है। मलेशिया की सरकारी एजेंसी सावित किनाबालु समूह ने पतंजलि ग्रुप को अभी तक पाम के 15 लाख बीज की सप्लाई की है। मलेशिया की इस सरकारी एजेंसी ने पतंजलि ग्रुप के साथ पांच साल का कांटैक्ट किया है जो 2027 में समाप्त हो रहा है। इस अवधि में एजेंसी पाम के कुल 40 लाख बीज की आपूर्ति करेगी।

भारत का प्रमुख सप्लायर

मलेशिया, भारत को पाम ऑयल का प्रमुख सप्लायर है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी सरकारी एजेंसी ने पाम के बीजों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत, पाम तेल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने के वास्ते घरेलू स्तर पर इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहा है। इस अनुबंध पर सावित किनाबालु समूह की बीज से जुड़ी अनुषंगी कंपनी ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुषंगी कंपनी हर वर्ष पाम के एक करोड़ बीजों को संसाधित करती है।

5 साल का कांट्रैक्ट

समूह की बीज इकाई के महाप्रबंधक डॉ. जुरैनी ने कहा कि हमने पतंजलि ग्रुप के साथ पाम के 40 लाख बीज की आपूर्ति के लिए पांच वर्ष का अनुबंध किया है। हमने अब तक 15 लाख बीज वितरित किए हैं। अधिकारी ने बताया कि बीज आपूर्ति के अलावा कंपनी की ओर से परामर्श सेवाएं दी जाएंगी, कृषि विशेषज्ञों द्वारा उत्पादन स्थल का दौरा किया जाएगा और रोपित बीजों की गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी।

दे रहे हैं बेहतर उपज

समूह के मुख्य सतत अधिकारी नजलान मोहम्मद ने कहा कि भारत में रोपित हमारे बीज बेहतर उपज दे रहे हैं। पूर्वोत्तर में लगाए गए पौधे अच्छी स्थिति में हैं। मोहम्मद ने कहा कि मलेशिया की सरकार कुछ क्षेत्रों में पाम की पुनः रोपाई के लिए सब्सिडी प्रदान कर रही है, इसलिए स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए सरकारी एजेंसी को भारत को बीज की आपूर्ति सीमित करनी होगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि सरकारी एजेंसी पाम के बीज की आपूर्ति के लिए अधिक भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग करने को इच्छुक है।

क्या है पतंजलि की प्लानिंग

पतंजलि समूह, पूर्वोत्तर भारत में पाम तेल मिल स्थापित करने की योजना बना रहा है, जिसके 2026 तक चालू होने की उम्मीद है। भारत में वर्तमान में लगभग 3,69,000 हेक्टेयर भूमि पर पाम की खेती होती है, जिसमें से करीब 1,80,000 हेक्टेयर पर पाम लगभग तैयार है। खेती का क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है जो 2024 तक लगभग 375,000 हेक्टेयर तक पहुंच गया। निकट भविष्य में इसमें 80,000 से 1,00,000 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र जुड़ने की उम्मीद है। सरकार का लक्ष्य इसे 2030 तक 66 लाख हेक्टेयर तक विस्तारित करना है, जिससे 28 लाख टन पाम तेल का उत्पादन हो सकेगा।

क्या है सरकार की योजना

वित्त वर्ष 2021-22 में शुरू किया गया नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल्स-पाम ऑयल (एनएमईओ-ओपी) पाम की खेती को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की प्रमुख योजना है। इसके तहत मुख्य तौर पर पूर्वोत्तर भारत और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। भारत के पाम तेल के कुल उत्पादन में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल की 98 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

जंग के बीच बांग्लादेश को सता रहा कौन सा डर? आनन-फानन में खरीदा रडार सिस्टम

ढाका, एजेंसी। एशिया में बढ़ रहे तनाव और इजराइल-ईरान के जंग ने बांग्लादेश को डरा दिया है। बांग्लादेश ने गुरुवार को आनन-फानन में अपना रडार सिस्टम सेट किया है। इस रडार सिस्टम का नाम जीएम 403एम है। बांग्लादेश के वायुसेना का कहना है कि यह एकदम नया रडार सिस्टम है।

प्रथम आलो के मुताबिक सेना के बड़े अफसरों ने इस रडार सिस्टम को एक्टिव किया है। अब इसके आने से बांग्लादेश के वायु सेना को हवा में मजबूती मिलेगी। बांग्लादेश भारत और म्यांमार का पड़ोसी है। एशिया में होने की वजह से ताइवान-चीन संघर्ष ने भी उसे डरा दिया है। इसके अलावा ईरान और इजराइल में जो जंग हो रहे हैं, दोनों के पास लंबी दूरी तक निशाना लगाने वाले मिसाइल हैं।

फ्रांस से खरीदा जीएम 403एम रडार

इस रडार सिस्टम को बांग्लादेश ने फ्रांस से खरीदा है। फ्रांस ही इसे तैयार करता है। अप्रैल 2024 में बांग्लादेश की वायुसेना ने इसे शुरुआती तौर पर जांच के लिए परखा था। इसके बाद अब इसे पूरी तरह सेट कर दिया गया है।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक बांग्लादेश ने एक रडार को चटगांव में एक्टिव किया है। वहीं एक को ढाका के आस-पास एक्टिव किया गया है। बांग्लादेश के रक्षा मंत्रालय ने इसे आधुनिकता के लिए उठाया गया एक अहम कदम बताया है। बांग्लादेश में पहली बार इस तरह के रडार सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

यह रडार कैसे काम करता है?

रिपोर्ट के मुताबिक यह एक 3डी सक्रिय इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरे (एईएसए) रडार है। आसमान में एक बार एक्टिव होने के बाद यह रडार लड़ाकू जेट, ड्रोन और यहां तक कि आने वाली मिसाइलों सहित एक साथ कई लक्ष्यों का पता लगाने और उन पर नजर रखने में सक्षम है।

इसकी एक खासियत यह भी है कि यह कम और अधिक दोनों ऊंचाई पर आ रहे निशाने को तुरंत पता लेता है। बांग्लादेश की सेना को इस तरह के रडार सिस्टम की जरूरत थी। फ्रांस में बनने वाले इस रडार का इस्तेमान कनाडा, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, मलेशिया और स्लोवेनिया जैसे देश करते हैं। इस रडार की कीमत 140 मिलियन डॉलर (12 अरब रुपए) के आसपास है। यह रडार सिस्टम 470 किमी दूर तक के टारगेट का भी पता आसानी से लगा लेता है। खुफिया इनपुट जुटाने में इस रडार सिस्टम को माहिर माना जाता है।

ईरान में जहां है परमाणु बनाने वाला यूरेनियम, उस बंकर को नहीं भेद पा रहा इजराइल...पुतिन का दावा

यरुशलम, एजेंसी। बंकर ईरान के 3 न्यूक्लियर साइट नतांज, फोर्डो और बोशहर पर इजराइल हमले के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा दावा किया है। पुतिन के मुताबिक इस हमले से ईरान के यूरेनियम संवर्धन को कोई नुकसान नहीं हुआ है। अभी भी वहां बंकर के नीचे यूरेनियम संवर्धन का काम जारी है।

पत्रकारों से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि बोशहर में रूस के 200 कर्मचारी काम कर रहे थे। मैंने उन सबसे बात की है। मैंने इजराइल से भी बात की है और कहा है कि मेरे लोगों पर कोई अटैक न हो पाए।

पुतिन ने यह दावा किया है कि इजराइल ने उन्हें इस बात का आश्वासन दिया है कि रूस के लोगों पर ईरान में कोई अटैक नहीं होगा।

नतांज के बर्बाद होने का किया गया था दावा

न्यूक्लियर वॉचडॉग ने 2 दिन पहले दावा किया था कि इजराइली हमले में नतांज साइट पूरी तरह बर्बाज हो चुका है। नतांज को ईरान का सबसे प्रमुख साइट माना जाता है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने फोर्डो न्यूक्लियर साइट के भी बर्बाद होने की बात कही थी। हालांकि, ईरान का कहना था कि साइट को थोड़ा नुकसान तो जरूर हुआ है, लेकिन पूरी तरह से बर्बाद नहीं हुआ है। ईरान में कुल 6 न्यूक्लियर साइट का खुलासा अब तक हुआ है, जहां पर यूरेनियम संवर्धन का काम हो रहा है। ये सभी तेहरान के आसपास ही हैं। ईरान उत्तर कोरिया, पाकिस्तान और रूस की मदद से यूरेनियम का संवर्धन कर रहा है।

ईरान के पास 9 बम बनाने इतना यूरेनियम

IAEI के मुताबिक ईरान ने 9 परमाणु बम बनाने इतना यूरेनियम तैयार कर लिया है। ईरान कभी भी इसे बना सकता है। इसी डर से इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक कर दिया है। इजराइल के निशाने पर ईरान के बड़े सैन्य अफसर, परमाणु वैज्ञानिक और न्यूक्लियर साइट है। इजराइल को इस स्ट्राइक में अमेरिका का खुलकर साथ मिल रहा है। बुधवार रात पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हम बस देख रहे हैं। हमारी कोशिश इतनी है कि ईरान परमाणु हथियार न बनाए। रूस ईरान और इजराइल के बीच शांति समझौता कराने में भी जुटा है। पुतिन ने इसके लिए खुद यूएई के प्रमुख से बात की है।

क्या इजराइल के हमलों का समर्थन करते हैं ईरान में रहने वाले यहूदी?

तेल अवीव, एजेंसी। एक तरफ इजराइल और ईरान के बीच खुलकर जंग छिड़ी है। दोनों देशों के नेताओं की तरफ से बयानबाजी भी जारी है। वहीं दूसरी तरफ एक ऐसा तबका भी है जो इस पूरी जंग के बीच बड़ी उलझन में फंसा है। ये हैं ईरान में रहने वाले यहूदी। ये उस ईरान में रहते हैं जहां इजराइल को दुश्मन कहा जाता है, वहां आज भी हजारों यहूदी रहते हैं, अपने धर्म का पालन करते हैं, और एक पहचान के साथ जीते हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि क्या ये यहूदी इजराइल के समर्थन में हैं? या ईरान के साथ खड़े हैं? और सबसे अहम इस वक्त जब तेहरान, इस्फहान और शिराज जैसे यहूदी आबादी वाले शहरों पर बमबारी हो रही है, तो इन लोगों के मन में डर है, गुस्सा है, या असमंजस? आइए जानते हैं।

ईरान में यहूदी समुदाय की जड़े हजारों साल पुरानी है। माना जाता है कि बेबेलुनियन निर्वासन के दौरान

यहूदी लोग ईरान(तब का फारस) आए और यहीं बस गए। आज ईरान में अनुमानित 9 हजार से 15 हजार यहूदी रहते हैं जिनमें से आधे से ज्यादा तेहरान में हैं। इसके अलावा शिराज, इस्फहान और यज्द जैसे शहरों में भी यहूदी समुदाय मौजूद हैं।

तेहरान में तो एक दर्जन से ज्यादा सिनेगॉग (यहूदी पूजा स्थल), कोशर मीट की दुकानों, यहूदी पुस्तकालय और यहां तक कि एक यहूदी अखबार तक की मौजूदगी है। ईरान का संविधान यहूदियों को धार्मिक स्वतंत्रता देता और संसद में उनके लिए एक सीट भी आरक्षित है। मौजूद प्रतिनिधि होमायून सामेह हैं जिन्हें 2020 में चुना गया था।

इजराइल-ईरान जंग में क्या सोचते हैं ईरानी यहूदी?

जब इजराइल ने हाल ही में ईरान के कई शहरों पर एयरस्ट्राइक की, तो तेहरान और इस्फहान जैसे शहर भी निशाने पर थे, जहां यहूदी समुदाय रहता है। इस हमले के बाद ईरानी संसद में यहूदी प्रतिनिधि होमायून सामेह ने इजराइल की निंदा करते हुए कहा कि ये हमला साबित करता है कि इजराइल एक बर्बर, बच्चों की हत्याएं करने वाला शासन है। ईरान को ऐसा जवाब देना चाहिए जिसे वो कभी न भूलें। इसी तरह इस्फहान की यहूदी कम्युनिटी एसोसिएशन ने भी इजराइल के हमले की निंदा की और इसे अमानवीय करार दिया।

डर सरकार का नहीं, भीड़ का है

ईरान में रहने वाले यहूदी आज सबसे ज्यादा जिस चीज से डरते हैं, वो है भीड़ का गुस्सा। उन्हें डर है कि इजराइल के हमलों का गुस्सा आम जनता उनके ऊपर ना उतार दे। कहीं कोई लिंचिंग न हो जाए, या कोई हिंसा न कर बैठे। इस्लामिक शासन के बावजूद ईरानी यहूदी खुद को पहले ईरानी और फिर यहूदी मानते हैं। उनका मानना है कि यह देश उनका घर है, उनके पूर्वज यहीं रहे, और वो जब चाहें, तब देश छोड़ सकते हैं पर उन्होंने नहीं छोड़ा।

धार्मिक आज़ादी है, पर सिविल राइट्स में पाबंदियां

ईरान में यहूदी अपनी धार्मिक रीति-रिवाज बिना रोक-टोक निभाते हैं। त्योहार मनाते हैं, पूजा करते हैं, स्कूल चलाते हैं। पर जब बात सिविल राइट्स या राजनीतिक आजादी की आती है तो वहां तस्वीर उतनी आसान नहीं है। ईरान में शरीयत कानून लागू है, जो मुसलमानों और गैर-मुसलमानों के बीच भेद करता है, गैर-मुस्लिम सीनियर सरकारी पदों पर नहीं बैठ सकते, जज नहीं बन सकते और सेना में कमांडर की भूमिका नहीं निभा सकते। कोर्ट में एक यहूदी की गवाही एक मुसलमान की तुलना में कम वज़न रखती है। हालांकि जानकार मानते हैं कि ये भेदभाव सिर्फ यहूदियों के लिए नहीं, बल्कि हर धार्मिक अल्पसंख्यक के लिए है — चाहे वो जरथुस्त्री हों या आर्मीनियन क्रिश्चियन।

एक दौर वो भी था...

1925 में जब रेजा शाह पहलवी सत्ता में आए, तो यहूदियों के लिए एक सुनहरा दौर शुरू हुआ। उन्होंने जबरन धर्म परिवर्तन पर रोक लगाई, यहूदियों को सरकारी नौकरी दी, और यहां तक कि यहूदी स्कूलों में हिब्रू भाषा की पढ़ाई भी अनुमति दी। इस्फहान की एक सिनेगॉग में उन्होंने खुद प्रार्थना की थी, जो यहूदी समुदाय के साथ एकजुटता का प्रतीक माना गया।

फिर आई क्रांति और पलायन का दौर

1979 में इस्लामिक क्रांति आई। शाह को सत्ता से हटाया गया। हालांकि अयातुल्ला खुमैनी ने यहूदियों को सुरक्षा देने का फ़तवा जारी किया और ज़ायोनिज़्म (इज़राइल समर्थक सोच) और यहूदियों में फर्क बताया। फिर भी डर का माहौल बना। इस्लामिक क्रांति से पहले करीब 80 हजार यहूदी रहा करते थे। एक यहूदी व्यापारी हबीब एलघानियन को इज़राइल से संपर्क रखने के आरोप में फांसी दी गई।

बड़ी संख्या में भारतीय लोग यूएई को अपना घर बना रहे, न्यूज9 ग्लोबल समिट में बोले भारतीय राजदूत संजय सुधीर

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल समिट दुबई संस्करण में यूएई में भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने कहा कि भारत और यूएई के बीच संबंध बहुत खास है। वह हमारा करीबी साझेदार है। अब बड़ी संख्या में भारतीय लोग यूएई को अपना घर बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर यूएई में सद्भाव और सद्भावना की शानदार मिसाल है। बड़ी संख्या में लोग यहां घूमने आ रहे हैं।

यूएई में भारत के राजदूत संजय सुधीर ने कहा कि आप सभी भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों से यहां पर आए लोगों का स्वागत करता हूं। मुझे यहां पर उपस्थित होने पर खुशी महसूस हो रही है। मैं मानता हूं कि न्यूज9 भारत की डायनेमिक मीडिया का फेस है। देश के राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक मसलों पर अपनी खास धमक रखता है। जर्मनी में ग्लोबल समिट के सफल आयोजन के बाद नेटवर्क की ओर से दुबई में समिट कराए जाने से खुशी है।

भारत का सबसे करीबी साझेदार यूएई : संजय सुधीर

भारत और यूएई के विजन के बारे में बताते हुए संजय सुधीर ने कहा कि आज की तारीख में भारत और यूएई के बीच संबंध बहुत खास है। और दुनिया में इस समय यूएई संभवतः भारत का सबसे करीबी साझेदार है। यह इस क्षेत्र का पहला देश है जिसके साथ कंपरेहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट 2017 में किया गया। भारत और यूएई के बीच संबंध बहुत ऐतिहासिक रहे हैं और यह संबंध काफी गहरे हो गए हैं।

टिकाऊ, समावेशी और समृद्ध भविष्य के लिए भारत-यूएई विजन पर भारतीय राजदूत ने कहा कि हमारे संबंध व्यापार और लोगों के बीच तक ही सीमित नहीं है बल्कि ये संबंध 2 वजहों से और भी मजबूत हो रहे हैं। बढ़ते व्यापार के साथ ही बड़ी संख्या में भारतीय यूएई को अपना घर बना रहे हैं।

CEPA हमारे संबंधों का मजबूत परिणाम : संजय सुधीर

हमारे संबंध काफी गहरे होते जा रहे हैं। यूएई ने हमारे साथ CEPA यानी कंपरेहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (India-UAE Comprehensive Economic Partnership Agreement 2022) करार किया है। यह किसी भी देश के साथ हमारा ऐसा CEPA पहला करार है। यूएई ने हमारे साथ CEPA करार करके बहुत साहसिक कदम उठाया है। CEPA हमारे संबंधों का मजबूत परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि यूएई एकमात्र ऐसा देश है जिसने हमारे रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (Strategic Petroleum Reserves) में निवेश किया है।" उन्होंने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में हमारे द्वीपक्षीय व्यापार में काफी प्रगति हुई और यह मैजिकल लेवल 100 बिलियन डॉलर को भी पार कर गया। इस मामले में 19 फीसदी का इजाफा हुआ।

हिंदू मंदिर सबसे ज्यादा घूमने वाली जगह : संजय सुधीर

उन्होंने यूएई के साथ मजबूत होते संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि जहां एक ओर हमारे नेताओं के बीच मजबूत संबंध बने हुए हैं, वहीं अगली पीढ़ी के साथ भी मजबूत संबंध बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दुबई में IIFT के कैंपस भी हैं।

अबू धाबी में बने भव्य मंदिर का जिक्र करते हुए यूएई में भारतीय राजदूत सुंजय सुधीर ने कहा, "अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर इस देश में पहला हिंदू मंदिर है। लेकिन यह मंदिर भारत और यूएई के साझा संबंधों का छोटा सा प्रतिनिधित्व ही है। यह सद्भाव और सद्भावना की शानदार मिसाल है। खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने पिछले साल फरवरी में इस मंदिर का उद्घाटन किया था। बुर्ज खलीफा की तरह आज यह इस देश के प्रतिष्ठित चीजों में शुमार है। यह इस देश में सबसे ज्यादा आने वाले जगहों में भी शामिल है। अब तक 24 लाख से अधिक लोग आ चुके हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि यूएई में क्रिकेट काफी लोकप्रिय है। भारतीय क्रिकेट को लेकर यूएई में धूम रहती है। क्रिकेट यूएई तक सहज रूप से फैला हुआ है। पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए राजदूत ने कहा कि जब यह घटना हुई थी तब यूएई ही वो पहला देश था जिसने खुलकर इसकी आलोचना की।

ईरान से 'ऑपरेशन सिंधु' जारी, दिल्ली पहुंचा एक और जहाज, अब भारतीय डिप्लोमैट फैमिली की सुरक्षित वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के बीच बड़ी संख्या में भारतीय ईरान में फंसे हुए हैं। संघर्ष के और भड़कने की आशंका के बीच भारत सरकार वहां पर फंसे भारतीय लोगों को निकालने को लेकर 'ऑपरेशन सिंधु' चला रही है। राजधानी तेहरान से निकाले गए 110 भारतीय छात्रों को लेकर पहला विमान आज गुरुवार तड़के दिल्ली पहुंचा। इसके कुछ घंटे बाद एक और विमान दिल्ली पहुंचा जिसमें वहां पर रहे भारतीय राजनयिक शामिल हैं।

ईरान में फंसे भारतीयों को लेकर गुरुवार को दूसरी फ्लाइट भी दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची। इस फ्लाइट में तेहरान में रहे डिप्लोमेट्स के परिवार शामिल थे। हालांकि इनकी संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

आर्मेनिया से होते हुए दिल्ली पहुंचे छात्र

मध्य पूर्व एशिया में ईरान और इजराइल के बीच भड़के युद्ध के बाद बड़ी संख्या में भारतीय छात्र और लोग फंसे हुए थे। उनकी और उनके परिजनों की ओर से उन्हें सुरक्षित निकालने को लेकर भारत सरकार से गुहार लगाई जा रही थी। इसके बाद भारत सरकार की ओर से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंधु के तहत भारतीय छात्रों को तेहरान से बाहर निकाला गया। फिर भारतीय दूतावास ने मंगलवार को 110 छात्रों को सुरक्षित रूप से आर्मेनिया पहुंचाने में मदद की। इसके बाद उन्हें दिल्ली लाया गया। युद्धग्रस्त ईरान से सकुशल भारत पहुंचने पर भारतीय छात्र बेहद खुश हैं और उन्होंने इसके लिए भारत सरकार को धन्यवाद किया। साथ ही वहां के खौफनाक हालात को याद भी किया। भारतीय छात्रों के दिल्ली पहुंचने के बाद विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि अभी और लोगों को वहां से निकाला जा रहा है।

हम और जहाज भेज रहे : विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन

कीर्ति वर्धन सिंह ने ऑपरेशन के बारे में कहा, "हमारे पास फ्लाइट तैयार हैं। हम आज एक और विमान भेज रहे हैं। हम तुर्कमेनिस्तान से होते हुए कुछ और लोगों को निकाल रहे हैं। वहां से निकालने को लेकर अनुरोध के लिए हमारे दूतावासों से कभी भी संपर्क किया जा सकता है। जैसे-जैसे स्थिति बदलेगी, हम भारतीय नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए और विमान भेजेंगे।" साथ ही उन्होंने इस ऑपरेशन में मदद के लिए तुर्कमेनिस्तान और आर्मेनिया की सरकारों को धन्यवाद भी दिया।

जम्मू-कश्मीर छात्र संघ ने भी भारतीय छात्रों की सुरक्षित एग्जिट ऑपरेशन शुरू करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को धन्यवाद दिया। संघ ने जारी बयान में कहा, "हमें उम्मीद है कि वहां फंसे शेष सभी छात्रों को भी जल्द निकाल लिया जाएगा।"

ड्रेस को लेकर ट्रोल किए जाने से जरीन खान पर भड़क गईं ये एक्ट्रेस, बोलीं– 'अगर इतने एक्सप्रेशन...'

सप्लिट्सविला सीजन 10 फेम खुशी मुखर्जी अपने बोल्ड लुक के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने मॉडर्न बोल्ड आउटफिट पहना था, जिसके कारण उन्हें ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा था। इसी कड़ी में अभिनेत्री जरीन खान ने भी खुशी के ड्रेस पर व्यंग्य किया था। अब खुशी मुखर्जी ने अभिनेत्री को जवाब देते हुए उनपर करारा हमला बोला है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

सलमान खान के साथ किया डेब्यू फिर भी...

खुशी मुखर्जी हाल ही में फिल्मीज्ञान के साथ बातचीत में शामिल हुईं। उन्होंने वहां जरीन खान द्वारा खुद पर की गई टिप्पणी पर प्रतक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने अपना डेब्यू सलमान खान के साथ किया था। वह बहुत भाग्यशाली थीं कि उन्हें इतना बड़ा ब्रेक मिला। हालांकि, वो अपनी फिल्मों में इतना ज्यादा एक्सप्रेशन दे देती या वॉयस मॉड्यूलेशन कर लेती, जितना वो अब रील्स पर कर रही हैं, तो शायद दीपिका पादुकोण के बाद उनका ही नाम होता।'

किस बात पर भड़कीं खुशी मुखर्जी?

हाल ही में खुशी मुखर्जी ने बोल्ड गोल्डन आउटफिट पहना था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इस पर अभिनेत्री जरीन खान ने उनके ड्रेस पर व्यंग्य करते हुए कहा, 'अगर छुपाना है, तो इतनी छोटी ड्रेस क्यों पहनी? और अगर दिखाना हैं तो खींच-खींच कर छुपा क्यों रही हैं। यह बहुत ही कन्फ्यूज करने वाला है।'

एक नजर जरीन खान के करियर पर

अभिनेत्री जरीन खान ने साल 2010 में बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म का नाम था 'वीर', जिसमें वो अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आईं थीं। हालांकि, यह फिल्म उम्मीदों के मुताबिक नहीं चली। इसके अलावा उन्होंने 'रेडी', 'अक्सर 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अभिनेत्री इस समय कुछ रिजनल फिल्मों में काम कर रही हैं। उन्होंने 'डाका' और 'जट्ट जेम्स बॉन्ड' सहित कुछ पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

बोमन ईरानी ने युवाओं को दी सलाह, कहा- अभिनेता बनने की चाहत रखने वाले पहले कर लें ये काम

अभिनेता बोमन ईरानी ने 44 साल की उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने 65 साल की उम्र में अपनी पहली फिल्म 'मेहता बॉयज' का निर्देशन किया। बॉलीवुड में देर से शुरूआत करने के लिए जाने जाने वाले अभिनेता बोमन ईरानी ने इस बात से इंकार किया कि बॉलीवुड जल्दी या देर में कामयाबी मौकों पर निर्भर है।

एएनआई के साथ बातजीत में बोमन ईरानी ने कहा कि बॉलीवुड में देर से या जल्दी कामयाबी मिलना अभिनेताओं पर निर्भर है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अभिनेताओं का काम और उनका हुनर यह तय करता है कि वह फिल्म इंडस्ट्री में जल्दी या देर में कामयाब होंगे।

सपने के साथ हुनर लेकर आएं

बोमन ईरानी ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि किसी को देर से मिली सफलता के लिए बॉलीवुड जिम्मेदार है। बॉलीवुड या भारतीय सिनेमा जल्दी कामयाबी मिलने या देर में कामयाबी मिलने के लिए जिम्मेदार नहीं है। हर इंसान अपनी कामयाबी या नाकामी के लिए खुद जिम्मेदार है। आप अपना भविष्य खुद बनाते हैं। मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं जो लोग सपने लेकर आते हैं, कि जरूर सपने लेकर आएं लेकिन उसके साथ हुनर भी लेकर आएं।'

अपना भविष्य खुद बनाएं

अभिनेता ने यूवाओं से कहा 'आप यह मत कहिए कि मैं अभिनेता बनना चाहता हूं। मैंने बहुत कोशिश की। मैंने यहां और वहां ऑडिशन दिए। आपको यह करना पड़ेगा। सवाल ये है कि आप ऑडिशन के लिए क्या लेकर आए हैं? आपने कौन सी ट्रेनिंग की है? क्या आप ड्रामा स्कूल गए, अगर नहीं गए तो क्या आपने खुद से ट्रेनिंग की? आपने कौन सी फिल्में देखीं? आपने कौन सी एक्टिंग की किताबें पढ़ीं? आपने कौन सी वीडियो देखी? आपने कितना रिहर्सल किया? अगर आपने रिहर्सल नहीं किया और आप कहते हो कि आप खूबसूरत हो, तो मैं आपको एक चीज बताता हूं। वह यह है कि आपका हमेशा दिल टूटेगा। इसलिए मैं कहता हूं कि आप अपना भविष्य खुद बनाएं। ये उम्मीद मत करें कि बॉलीवुड आपको कुछ देगा।'

अलग-अलग किरदार के जाने जाते हैं ईरानी

बोमन ईरानी सिर्फ अपनी कॉमेडी के लिए ही नहीं, बल्कि वह कई दूसरे तरह के किरदार को निभाने के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने '3 इडियट्स' में कॉलेज डायरेक्टर वायरस का किरदार निभाया। इसके अलावा उन्होंने 'खोसला का घोसला' में एक होशियार कारोबारी का किरदार निभाया।

'मुन्ना भाई एमबीबीएस' के अभिनेता ने अपनी जिंदगी के अनुभव से नौजवानों को बताया कि अगर आप किसी भी फील्ड में कामयाब होना चाहते हैं तो अपने हुनर पर काम करें।

बोमन ईरानी का काम

आपको बता दें कि बोमन ईरानी जल्द ही 'डिटेक्टिव शेरदिल' में नजर आने वाले हैं। वह जल्द ही अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' में नजर आने वाले हैं।

'धुरंधर' के टीजर पर आया अपडेट, इस दिन मिलेगा रणवीर सिंह के प्रशंसकों को तोहफा

रणवीर सिंह की आगामी फिल्म है 'धुरंधर'। यामी गौतम के पति आदित्य धर इसे बना रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर एकदम अलग अवतार में नजर आएंगे। दर्शकों को फिल्म का बड़ी बेसब्री से इंतजार है। फिलहाल उन्हें एक खास तोहफा मिलने वाला है। फिल्म की टीजर रिलीज को लेकर अपडेट आया है।

फिल्म 'धुरंधर' का टीजर रणवीर सिंह के जन्मदिन के अवसर पर रिलीज होगा। अभिनेता के जन्मदिन पर फैंस को तोहफा देते हुए मेकर्स फिल्म की पहली झलक पेश करेंगे। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म 'धुरंधर' का टीजर रणवीर सिंह के जन्मदिन के मौके पर 6 जुलाई को रिलीज किया जाएगा।

इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर कर रहे हैं। इस फिल्म में संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे कलाकार भी हैं। बीते दिनों यह फिल्म सेट से ऑनलाइन लीक हुई तस्वीरों और वीडियो की वजह से खूब चर्चा में रही। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, टीजर में थ्रिलर की हाई-स्टेक दुनिया की पहली झलक देखने को मिलेगी। 'धुरंधर' में रणवीर का लुक एकदम अलग होगा।

75 फीसदी शूटिंग पूरी

रिपोर्ट में कहा गया है कि टीजर में दर्शकों को स्टार-स्टडेड कलाकारों की झलक भी देखने को मिलेगी। 'धुरंधर' एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है। इसकी कहानी पाकिस्तान में 1970 और 1980 के दशक के दौर पर आधारित बताई जा रही है। फिल्म की करीब 75 फीसदी शूटिंग पूरी हो चुकी है। शेष शूटिंग इस साल सितंबर तक पूरी होने की संभावना है। अगले साल जनवरी से मार्च के बीच इसे रिलीज किया जा सकता है। शूटिंग पूरे होने के बाद मेकर्स फिल्म की रिलीज डेट पर खुलासा करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com